राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 212 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, रविवार , 13 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

आंतरिक मुद्दों पर 'किसी अन्य मकसद से प्रेरित टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं: विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने कर्नाटक में कुछ शैक्षणिक संस्थानों में वर्दी संबंधी नियमों को लेकर विवाद पर कुछ देशों की आलोचना को शनिवार को खारिज कर दिया और कहा कि देश के आंतरिक मामलों पर 'किसी अन्य मकसद से प्रेरित टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जो लोग भारत को जानते हैं, उन्हें वास्तविकताओं की पर्याप्त समझ होगी। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक के कुछ शैक्षणिक संस्थानों में वर्दी संबंधी नियमों से जुड़े मामले पर कर्नाटक हाईकोर्ट विचार कर रहा। उन्होंने कहा, 'हमारे संवैधानिक ढांचे और तंत्र, लोकतांत्रिक लोकाचार तथा राजतंत्र के संदर्भ में मुद्दों पर विचार किया जाता है, उनका समाधान निकाला जाता है। जो लोग भारत को अच्छी तरह जानते हैं, उन्हें इन वास्तविकताओं की पर्याप्त समझ होगी। हमारे आंतरिक मुद्दों पर किसी अन्य मकसद से प्रेरित टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं है। बागची ने कर्नाटक में कुछ शैक्षणिक संस्थानों में वर्दी संबंधी नियमों पर कुछ देशों की टिप्पणियों के बारे में मीडिया द्वारा सवाल पूछे जाने पर यह प्रतिक्रिया दी।

छत्तीसगढ़ में नक्सली मुठभेड़ में सीआरपीएफ अधिकारी शहीद

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में शनिवार को नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक अधिकारी शहीद हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना जिले के बसागुड़ा पुलिस थाना अंतर्गत तिम्मापुर-पुटकेल में उस वक्त हुई, जब सीआरपीएफ की 168वीं बटालियन का एक गश्ती दल सड़क मार्ग खुलवाने और सफाई की ड्यूटी के लिए निकला था। अधिकारियों ने बताया कि सहायक कमांडेंट एस बी टिर्की को गोली लगी और बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। राजधानी रायपुर से करीब 440 किलोमीटर दूर इलाके में फिलहाल तलाश अभियान जारी है।

भारत में कोविड से एक दिन में 804 लोगों की मौत, 50 से अधिक नए केस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बीते एक दिन में कोविड-19 के 50,407 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,25,86,544 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 6,10,443 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 से 804 और लोगों की मौत के बाद, संक्रमण से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 5,07,981 हो गई है। देश में पिछले छह दिन से कोरोना वायरस के दैनिक मामलों की संख्या एक लाख से कम बनी हुई है। देश में अभी 6,10,443 कोरोना वायरस संक्रमितों का इलाज चल रहा है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.43 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 87,359 की कमी दर्ज की गयी। देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.37 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर 3.48 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 5.07 प्रतिशत दर्ज की गई। देश में अभी तक कुल 4,14,68,120 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है।

योगी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

दोनों भाई-बहन डुबा रहे कांग्रेस पार्टी : योगी

❑ जब कोई पार्टी लावारिस होती है तो उसका कांग्रेस जैसा हाल होता है : मुख्यमंत्री

संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान खत्म हो चुका है। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण में 14 फरवरी को मतदान होना है। ऐसे में भाजपा इन दिनों राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय तक के नेता जमकर चुनाव प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने नई टिहरी पहुंच गए हैं।

सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने लोगों से एक बार फिर भाजपा पर भरोसा जताने की अपील की। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी ने तंज कसते हुए सीएम योगी ने कहा कि जहां नहीं डूबे वहां भी पार्टी को दोनों भाई बहन डूबा रहे टिहरी में सीएम योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब कोई पार्टी लावारिस होती है तो उसका यही हाल होता है,जो हालआज कांग्रेस का है। इस समय एक नई होड़ लगी है कि हिन्दुओं को कितना अपमानित कर दो, जिनको स्वयं ये नहीं मालूम कि वह हिन्दू हैं या नहीं हैं वह हिन्दू की परिभाषा बोल रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हिंदू सांप्रदायिक शब्द नहीं, हमारी सांस्कृतिक पहचान इस दौरान हम कहीं भी जाते हैं तो हमारी पहचान इसी से होती। सीएम योगी ने बताया कि उत्तराखंड सीमांत प्रदेश है, राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से इसका अपना महत्व है। यूपी से लगा होने की वजह हमारी चिंता का विषय भी है। यूपी में जब हम अपराधियों और माफिया के खिलाफ कार्रवाई करेंगे और उत्तराखंड में भाजपा के सरकार नहीं होगी तो वह यहां शरण लेंगे. वहीं, चुटीले अंदाज में सीएम योगी ने कहा कि वैसे तो मैं अपराधियों को छोड़ता नहीं हूं, लेकिन फिर भी अगर वह भागकर उत्तराखंड आते हैं तो सुरक्षा के लिए बीजेपी की सरकार जरूरी है. हालांकि इससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने वहां तो इस समय एक नई होड़ लगी है कि हिन्दुओं को कितना अपमानित कर सकते हो कर दो, जिनको स्वयं ये नहीं मालूम कि वे हिन्दू हैं या नहीं हैं वे हिन्दू की परिभाषा बोल रहे हैं। आगे यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तराखंड सीमांत प्रदेश है, राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से इसका अपना महत्व है। यूपी से लगा होने के कारण हमारी चिंता का विषय भी है. उत्तर प्रदेश में जब

हम अपराधियों और माफिया के खिलाफकार्रवाई करेंगे और उत्तराखंड में भाजपा की सरकार नहीं होगी तो वे यहां शरण लेंगे। इधर उत्तराखंड के कपकोट में रैली को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जो उत्तराखंड को अलग राज्य बनाना चाहते थे। उसके पीछे उनकी एक सोच थी कि वे चाहते थे कि उत्तराखंड छोटा राज्य भले ही हो लेकिन एक आदर्श राज्य के रूप में खड़ा होना चाहिए. इसलिए उन्होंने उत्तराखंड को विशेष दर्जा दिया.

हिजाब विवाद

अब 15 फरवरी तक बंद रहेंगे प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज, कर्नाटक सरकार ने बढ़ाई अवधि

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में अवकाश की अवधि 15 फरवरी तक बढ़ा दी है। कई परिसरों में बढ़ते हिजाब विवाद के बाद राज्य सरकार ने नौ फरवरी से इन कॉलेजों को बंद कर दिया था और उन्हें 14 फरवरी को खोला जाना था। सरकार ने 16 फरवरी तक डिग्री और डिप्लोमा कॉलेजों को भी बंद रखने का आदेश दिया है। सरकार ने अपने परिपत्र में कहा कि राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के एहतियाती कदम के तौर पर यह फैसला लिया गया है। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री बी सी नागेश के करीबी सूत्रों ने बताया कि नौवीं और 10वीं कक्षाएं 14 फरवरी से पहले की तरह शुरू होंगी। राज्य के कुछ हिस्सों में उच्च माध्यमिक स्कूलों तथा कॉलेज परिसरों में हिजाब बनाम भगवा स्कार्फ को लेकर विवाद ने तनाव पैदा कर दिया है। कुछ स्थानों पर अप्रिय घटनाएं और यहां तक कि हिंसक झड़पें भी हुई हैं।

मुख्तार अंसारी के खिलाफ भाजपा ने अशोक सिंह को दिया टिकट

(संवाददाता) मऊ। भाजपा ने यूपी विधानसभा चुनाव के लिए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कैंडिडेट बाहुबली मुख्तार अंसारी के खिलाफअशोक सिंह पर दांव खेला है. बता दें कि मऊ विधानसभा पूर्वांचल ही नहीं बल्कि सूबे की बहुचर्चित सीट है. हालांकि इस सीट पर बांदा जेल में बंद अंसारी का दबदबा है और वह पांच बार से विधायक बनते आ रहे हैं. वहीं, भाजपा ने मजबूत प्रत्याशी उतारकर सियासी पारा चढ़ा दिया है. बहरहाल, मऊ जिले की सदर विधानसभा सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने बाहुबली मुख्तार अंसारी को टिकट दिया है. जबकि इस सीट पर भाजपा ने अशोक सिंह को उतारा है,जो कि

इलाके में मजबूत पकड़ रखते हैं. जानकारी के मुताबिक, भाजपा प्रत्याशी के ठेकेदार भाई अजय सिंह की 2009 में हत्या हुई थी और इसक मुख्य आरोपी मुख्तार अंसारी को बनाया गया था. वहीं, भाजपा नेता के पास जनता की अदालत में अपने भाई को न्याय दिलाने का एक और मौका मिला है. हालांकि इस सीट पर भाजपा और सपा के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रत्याशी के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है. मऊ में 2017 के चुनाव में भाजपा समर्थित सुभासपा के महेंद्र राजभर ने मुख्तार को कड़ी चुनौती दी थी और 8998 वोटों से हारे थे. इस बार सुभासपा ने सपा का दामन थाम लिया है और अंसारी उसकी टिकट पर मैदान में हैं. वहीं, बसपा ने भीम राजभर और कांग्रेस ने मानवेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाया है. बता दें कि इस सीट पर मुख्तार को 1996 में पहली बार विधानसभा चुनाव में बसपा के कैंडिडेट के तौर पर जीत मिली थी. इसके बाद 2002 और 2007 में निर्दलीय जीत हासिल की. वहीं, 2012 में कौमी एकता दल का गठन कर चुनाव मैदान में उतरे और चौथी बार विधानसभा पहुंचने में सफल रहे. जबकि 2017 में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत मिली. हालांकि इस बार जीत का अंतर 10 हजार से नीचे पहुंच गया. यूपी की 403 विधानसभा सीटों पर कुल सात चरणों में मतदान तय है. पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को हो चुका है. जबकि 14 फरवरी को दूसरे चरण, 20 फरवरी को तीसरे चरण का, 23 फरवरी को चौथे चरण, 27 फरवरी को पांचवें चरण, 3 मार्च को छठे चरण और 7 मार्च को सातवें चरण का मतदान होगा. वहीं, वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी गठबंधन की सरकार आने वाली है: अखिलेश यादव

(संवाददाता)

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज बदायूं और शाहजहांपुर जिले की विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन किया। श्री यादव ने मुरादाबाद, संभल और दूसरे चरण के चुनाव के अन्य जिलों के समाजवादी पार्टी और गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि पहले चरण में भाजपा का सफाया हो गया है। दूसरे चरण में भी सफाया होना तय है। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता पहले चरण के बाद ही ठंडे हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी गठबंधन की सरकार आने वाली है। अखिलेश यादव ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में भाजपा सरकार की लापरवाही के चलते बहुत बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई। हजारों परिवारों ने अपनों को खोया है। भाजपा सरकार लोगों को ऑक्सीजन, दवा और बेड नहीं दे पाई है। ऐसी लापरवाह सरकार को उखाड़ फेंकना है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार लापरवाही नहीं करती तो बहुत सारे लोग आज अपने परिवार के बीच होते। उस दुख और पीड़ा को कोई भूल नहीं सकता है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने लोगों को संकट में डाला है। महंगाई और बेरोजगारी को बढ़ा दिया है। डीजल पेट्रोल के दाम बहुत बढ़ गए हैं। बेरोजगारी प्रदेश और देश में सबसे ज्यादा है। लेकिन भाजपा का कोई नेता महंगाई और बेरोजगारी की बात नहीं करता है। सब झूठे वादे करते हैं। छोटे नेता छोटा झूठ बोलते हैं और बड़े नेता बड़ा झूठ बोलते हैं। श्री यादव ने कहा पूरे देश में किसी मुख्यमंत्री के ऊपर इतने मुकदमें नहीं होंगे जितने बाबा मुख्यमंत्री जी पर हैं। बाबा मुख्यमंत्री जी ने खुद अपने ऊपर से मुकदमें वापस ले लिए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नेता डोर-टू-डोर कैंपेन कर रहे थे। जबसे महिलाओं ने लाल सिलेण्डर दिखाना शुरू कर दिया है तब से डोर-टू-डोर कैंपेन बंद हो गई हैं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने गरीबों की जेब काटकर अमीरों की तिजोरी भरने का काम किया है। मध्यमवर्ग और गरीब परेशान हैं वहीं कुछ उद्योगपति और अमीर होते जा रहे हैं। बाबा मुख्यमंत्री अहंकार में है। वह गर्मी निकालने की बात करते हैं। हम आप लोगों से वादा करते हैं समाजवादी और गठबंधन की सरकार बनने पर नौजवानों के लिए नौकरियों की भर्ती निकालेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि फौज में और पुलिस में नौजवानों के लिए नौकरी का इंतजाम करेंगे। सरकारी विभागों में लाखों पद खाली हैं। उन पदों पर हमारे नौजवानों की भर्ती होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों के लिए कोई भर्ती नहीं की। परीक्षाएं रद्द हुई या तो पेपर लीक हुए। जब नौजवान नौकरी और रोजगार के लिए अपनी आवाज उठाता है तो यह सरकार उसे लाठियों से पिटवाती है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा ने किसानों से आय दोगुनी करने का झूठा वादा किया। छात्रों से लैपटॉप देने का झूठा वादा किया। समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो महंगाई कम करेंगे। 300 यूनिट घरेलू बिजली मुफ्त देंगे। किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदी जाएगी। किसानों को दो बोरी डीएपी और पांच बोरी यूरिया मुफ्त दी जाएगी। किसानों की सिंचाई पूरी तरह से फ्री होगी। श्री यादव ने कहा कि सरकारी विभागों में 11 लाख नौजवानों को नौकरी देंगे। आईटी सेक्टर में 22 लाख युवाओं को अच्छी नौकरी दी जाएगी। गन्ना किसानों के भुगतान के लिए फार्मर कार्पस फंड बनाएंगे। गन्ने का भुगतान 15 दिन के अंदर कराया जाएगा। बीजेपी सरकार किसानों को ना खाद दे पाई और ना उनकी फसलों की खरीद कर पाई। सपा सरकार बनने पर एक्सप्रेस वे के किनारे मंडिया बनाएंगे। कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए डायल 100 सिस्टम में गाड़ियां बढ़ाई जाएंगी। स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए 108 गाड़ियों की संख्या दुगनी करेंगे। बदायूं को सीधा लखनऊ पहुंचने के लिए एक्सप्रेस-वे से जोड़ेंगे। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह चुनाव सरकार बनाने का है।

बिहार में फिर टला बड़ा रेल हादसा, सिवान में वैशाली एक्सप्रेस में लगी आग, मचा हड़कंप

(एजेंसी) सिवान। बिहार में फिर एकबार बड़ा ट्रेन हादसा टला है. सिवान में वैशाली एक्सप्रेस में आग लगने के बाद हड़कंप मच गया. सिवान-सहरसा से नयी दिल्ली जाने वाली इस ट्रेन के ब्रेक पैड में आग लगी थी. हालांकि समय रहते ही इस आग पर काबू पा लिया गया जिससे किसी अनहोनी की घटना नहीं घटी. हादसा दारौंदा-चेनवा के बीच हुआ जहां आग लगने के बाद करीब आधा घंटे तक ट्रेन को रोका गया। जानकारी के मुताबिक, वैशाली एक्सप्रेस छपरा से रवाना हुई और सिवान पहुंचने से पहले ही चौनवा दरौंदा स्टेशन के बीच इसमें आग लग गई. ट्रेन के ब्रेक पैड में लगे आग पर काबू पाये जाने के बाद इसे सिवान ले जाया गया जहां टेक्निकल टीम जांच में जुटी। आग लगने की इस घटना में किसी भी तरह के हताहत होने की सूचना नहीं है. दरअसल ट्रेन से धुंआं उठता देख यात्री घबरा गये. वहीं रेलकर्मियों में भी हड़कंप मच गया. वहीं आनन-फानन में ट्रेन को रोका गया. रेलकर्मियों ने यात्रियों और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया.

विशेषज्ञों की सिफारिश पर 5-15 आयु वर्ग के टीकाकरण पर फैसला लिया जाएगा : मांडविया

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार विशेषज्ञों से सिफारिश मिलने पर जल्द से जल्द पांच से 15 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान शुरू करेगी। मांडविया ने यहां पत्रकारों से यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि पांच से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए टीकाकरण पर सरकार का क्या रुख है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के समूह ने अभी तक इस आयु वर्ग के टीकाकरण पर कोई सिफारिश नहीं दी है। केंद्रीय मंत्री एक फरवरी को पेश किए गए केंद्रीय बजट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने यहां आए थे। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कब और किस आयु वर्ग को टीके की खुराक देनी है, इसका फैसला वैज्ञानिकों के समूह की सिफारिश के आधार पर लिया जाता है। हमने एक सप्ताह के भीतर एहतियाती समूह के लिए उसकी सिफारिश को लागू किया था। हम पांच से 15 वर्ष आयु वर्ग के लिए भी उसकी सिफारिश मिलने पर उसे निश्चित रूप से लागू करेंगे। देश में 15-18 वर्ष

आयु वर्ग के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान पिछले महीने शुरू हुआ था। मांडविया ने कहा, ''आज टीकाकरण कोई मुद्दा नहीं है। हमारे पास पर्याप्त टीके हैं, खुराकों की कोई कमी नहीं है। हम वैज्ञानिक समुदाय की सिफारिश को निश्चित रूप से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को अभी तक ऐसी कोई सिफारिश नहीं मिली है और इस संबंध में फैसला आने वाले दिनों में लिया जाएगा तथा यह कोई राजनीतिक फैसला नहीं है। मांडविया ने कहा कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में सीरो सर्वेक्षण से पता चला कि 67 प्रतिशत बच्चों में भी एंटीबॉडीज बनीं और बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ''आखिरकार ये जैविक चीजें हैं, इसलिए सिफारिश करने से पहले वैज्ञानिक अध्ययन करते हैं। पहले हम टीकाकरण के संबंध में सिफारिशों के लिए दुनिया का अनुसरण करते थे। आज हमारे वैज्ञानिक अपना विश्लेषण करते हैं।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला

25 फरवरी से 12 मार्च तक बाबा भीमराव अंबेडकर के जीवन पर होंगे नाटक, सभी के लिए होगा फ्री

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को बताया कि दिल्ली सरकार यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 25 फरवरी से 12 मार्च तक समाज सुधारक बी आर आम्बेडकर के जीवन पर आधारित एक नाटक के बड़े पैमाने पर मंचन का आयोजन करेगी। इससे पहले, इस नाटक का मंचन पांच जनवरी से किए जाने की योजना थी, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। केजरीवाल ने बताया कि अभिनेता रोनित रॉय बी आर आम्बेडकर की भूमिका निभाएंगे। इस नाटक का मंचन घूमने वाले 40 फुट के आकार के मंच पर किया जाएगा। उन्होंने दावा किया, ''यह इस स्तर पर दुनिया में संभवत: सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री ने स्वयं को आम्बेडर का ''भक्त बताया और कहा कि वह उनकी पूजा करते हैं, क्योंकि उन्होंने गरीब के लिए पूरा जीवन संघर्ष किया। नाटक का मंचन रोजाना शाम चार बजे और शाम सात बजे किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नाटक के लिए टिकट निरूशुल्क दिए जाएंगे, लेकिन सीट की सीमित संख्या के कारण उन्हें पहले से उन्हें बुक कराना होगा।

सुप्रीम कोर्ट में समान पोशाक संहिता के लिए जनहित याचिका दायर

(एजेंसी)

नयी दिल्ली कर्नाटक में जारी हिजाब विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट में शनिवार को एक जनहित याचिका दायर की गयी, जिसमें समानता और भाईचारे को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय अखंडता के वास्ते पंजीकृत शिक्षण संस्थानों में कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए समान पोशाक संहिता लागू करने का केंद्र सरकार, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश देने का आग्रह किया गया है। शीर्ष अदालत के समक्ष हिजाब विवाद से संबंधित अन्य मामलों का उल्लेख शुक्रवार को त्वरित सुनवाई के लिए किया गया था, जिसने कर्नाटक हाई कोर्ट की तीन-सदस्यीय खंडपीठ के समक्ष लंबित

मामले का संज्ञान लिया था और कहा था कि यह प्रत्येक नागरिक के संवैधानिक अधिकारों को संरक्षित करेगी और 'उचित समय पर मामले की सुनवाई करेगी। इस बीच, हाईकोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कर्नाटक सरकार से शिक्षण संस्थानों को खोलने के लिए कहा। अदालत ने इसके साथ ही निर्णय आने तक शिक्षण संस्थानों में कक्षाओं में किसी भी प्रकार की धार्मिक ड्रेस पहनकर आने पर रोक लगा दी थी। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय और अश्विनी दुबे के जरिये निखिल उपाध्याय द्वारा दायर नयी जनहित याचिका में केंद्र सरकार को एक न्यायिक आयोग अथवा विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया है, जो सामाजिक और आर्थिक न्याय, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के मूल्यों को सिखाने तथा विद्यार्थियों के बीच भाईचारा, सम्मान, एकता और राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देने के उपाय बताए। याचिका में केंद्र सरकार, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के अलावा विधि आयोग को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिका में कर्नाटक में जारी हिजाब विवाद को लेकर गत 10 फरवरी को राष्ट्रीय राजधानी में हुए प्रदर्शनों का भी संदर्भ दिया गया है। इसमें कहा गया है, शैक्षणिक संस्थान धर्मनिरपेक्ष सार्वजनिक स्थान हैं और ये ज्ञान एवं बुद्धिमता के इस्तेमाल, अच्छे स्वास्थ्य और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए हैं, न कि जरूरी और गैर-जरूरी धार्मिक प्रथाओं का पालन करने के लिए।

सार समाचार

फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स की बैठक में ब्लैक लिस्ट हो सकता हैं पाकिस्तान

इस्लामाबाद। फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की बैठक महीने के आखिर में होने वाली है। इस बार भी दुनिया की नजरें पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट में रहने या बाहर आने पर रहेंगी। हालांकि यह भी मुमकिन है, कि एफ.ए.टी.एफ. पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट कर दे।
एक्सपर्ट्स का मानना है कि एफएटीएफ की बैठक में बहुत सख्ती से इस पर गौर किया जाएगा कि इमरान सरकार ने टैरर फाइनैंसिंग और बड़े आतंकियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की और इसके सबूत कहां हैं? अगर वह सबूत नहीं देता, तब 4 साल बाद भी उसका ग्रे लिस्ट में रहना तय है। मीटिंग 21 से 25 फरवरी तक चलेगी। इस लिस्ट में उन देशों को रखा जाता है, जिन पर टेरर फाइनेंसिंग और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने या इनकी अनदेखी का शक होता है। इन देशों को कार्रवाई करने की सशर्त मोहलत दी जाती है। इसकी मॉनिटरिंग की जाती है। कुल मिलाकर आप इस 'वॉर्निंग विद मॉनिटरिंग' कह सकते हैं।

नाक के जरिए लिया जाने वाला नया टीका कोरोना वायरस के कई स्वरूपों के खिलाफ कारगर: अध्ययन

टोरंटो (कनाडा)। कनाडा में मैकमास्टर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नाक के जरिए लिए जाने वाले कोविड-19 रोधी टीके को विकसित किया है जो वायरस के सभी स्वरूपों के खिलाफ व्यापक, दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है। परीक्षण के दौरान किए गए अध्ययन में यह पाया गया है। शोध पत्रिका ह्यसेलह्ल में हाल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है किपारंपरिक इंजेक्शन के बजाय सीधे श्वांस नलिका से लिए जाने वाले टीके के कई लाभ मिले हैं क्योंकि इंजेक्शन के जरिए पारंपरिक रूप से लिए जाने वाले टीके के बजाय यह नाक के माध्यम से सीधे फेफड़ों और श्वसन नलिकाओं तक पहुंचते हैं जहां से सांस के जरिए वायरस शरीर में प्रवेश करते हैं। अध्ययन पशु मॉडल पर आधारित है। वर्तमान में उन स्वस्थ वयस्कों पर श्वांस के जरिए एरोसोल टीकों का मूल्यांकन किया जा रहा है, जिन्हें पहले से ही कोविड-19 एमआरएनए टीके की दो खुराक मिल चुकी हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक झोउ जिंग ने तपेदिक के एक टीके के अनुसंधान कार्यक्रम पर रणनीति बनाई थी। मैकमास्टर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जिंग ने कहा, ह्यह्यहमने कई वर्षों के अनुसंधान से जो खोजा है, वह यह है कि फेफड़े में दिया जाने वाला टीका श्वसन संबंधी श्लेष्मा प्रतिरक्षा को प्रेरित करता है। इंजेक्शन वाले टीके की तुलना में यह ज्यादा कारगर है।

ड्रोन के मलबे से एक भारतीय सहित 12 लोग घायल

रियाद। सऊदी अरब की सेना ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बना कर किए गए एक ड्रोन हमले को नाकाम करते हुए ड्रोन को नष्ट कर दिया। इस दौरान ड्रोन का मलबे गिरने से एक भारतीय नागरिक सहित 12 लोग घायल हो गए।
सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सऊदी नीत गठबंधन के प्रवक्ता जनरल तुर्की अल-मल्की ने कहा, 'सऊदी हवाई रक्षा ने यात्रा करने वाले नागरिकों और अभा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कर्मियों को निशाना बनाते हुए आतंकवादी, ईरान समर्थित हुती विद्रोहियों के बम से लदे ड्रोन हमले को नाकाम कर दिया।'
खबर के अनुसार इस घटना में एक भारतीय, चार बांग्लादेशी, तीन नेपाली, एक फिलिपिनो और एक श्रीलंकाई नागरिक घायल हुआ है। हमले में दो सऊदी नागरिक भी घायल हुए हैं।

यूक्रेन संकट: ब्रिटेन की विदेश मंत्री ने रूसी समकक्ष के साथ बैठक की

मॉस्को। यूक्रेन संकट में कमी लाने और कूटनीतिक रास्ता अपनाने पर जोर डालने के मद्देनजर चर्चा के लिए रूस पहुंची ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रूस ने बृहस्पतिवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बैठक की। रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास 1,00,000 से अधिक सैनिकों की तैनाती के साथ ही इस क्षेत्र में सैन्य युद्धाभ्यास शुरू किया है। हालांकि, रूस का कहना है कि उसकी अपने पड़ोसी पर हमले की कोई योजना नहीं है। लिज ने एक बार फिर रूस को चेताया कि पड़ोसी यूक्रेन पर हमला करने के गंभीर परिणाम होंगे और इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने रूस से अनुरोध किया कि वह यूक्रेन की स्वतंत्रता एवं संप्रभुता का सम्मान करने के अपने अंतरराष्ट्रीय समझौते की प्रतिबद्धता का पालन करे। बैठक के दौरान कड़ा रुख अपनाने वाले लावरोव ने भी दो टूक कहा कि पश्चिमी देश मॉस्को को उपदेश नहीं दें। लावरोव ने कहा, वैचारिक दृष्टिकोण और अंतिम चेतावनी के रास्ते आगे नहीं बढ़ा जा सकता। बैठक के बाद ब्रिटिश विदेश मंत्री ने एक बार फिर आह्वान किया कि रूस अपने सैनिकों को वापस सैन्य अड्डों को भेजे। हालांकि, लावरोव ने इस मांग को अनुचित करार देते हुए खारिज कर दिया और पूर्वी यूरोप में जमे ब्रिटिश और नाटो सैनिकों की ओर उंगली उठायी। लावरोव ने कहा, रूसी क्षेत्र से रूस के सैनिकों को हटाने की मांग खेदजनक है। हम किसी को धमकाना नहीं चाहते बल्कि हम खुद खतरे का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिमी नेताओं पर अपने देश में राजनीतिक लाभ लेने के लिए यूक्रेन के मामले पर हो-हल्ला खड़ा करने का आरोप लगाया।

पोप फ्रांसिस अप्रैल में माल्टा जाएंगे, कोविड के कारण 2020 में स्थगित हो गई थी उनकी यात्रा

रोम। पोप फ्रांसिस की इस साल पहली विदेश यात्रा भूमध्यसागरीय द्वीप देश माल्टा की होगी। वेटिकन ने बृहस्पतिवार को बताया कि पोप दो-तीन अप्रैल को द्वीप देश की यात्रा पर जाएंगे। गौरतलब है कि पोप को 2020 में ही माल्टा की यात्रा पर जाना था, लेकिन महामारी के कारण उसे स्थगित करना पड़ा। पचासी वर्षीय पोप फ्रांसिस मुख्य द्वीपीय शहरों वैलेटा, रबात और फ्लोरिआना के अलावा गोजो भी जाएंगे। यात्रा के संबंध में अन्य जानकारी बाद में जारी की जाएगी। माना जा रहा है कि फ्रांसिस की यात्रा का विषय आव्रजन होगा।

यूक्रेन में रह रहे अमेरिकनों को बाइडेन ने तुरंत देश छोड़ने को कहा, फिर बने जंग के हालात

वॉशिंगटन। यूक्रेन-रूस विवाद लगातार बढ़ रहा है इस मुद्दे पर अमेरिका और रूस के बीच भी तलवारें खिंच गई हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी नागरिकों से यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा है। बाइडेन ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा है कि चीजें जल्द ही बिगड़ सकती हैं। बाइडेन ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिकी नागरिकों को अब यूक्रेन छोड़ना चाहिए। बाइडेन ने कहा, हम दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक का सामना कर रहे हैं। यह एक अलग स्थिति है और चीजें बिगड़ सकती हैं। इतना ही नहीं बाइडेन ने एक बार फिर दोहराया कि वे किसी भी परिस्थिति में यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों को नहीं भेजेंगे, यहां तक कि रूसी आक्रमण में अमेरिकियों को बचाने के लिए भी। उन्होंने कहा, जब अमेरिकी और रूसी एक दूसरे पर फायरिंग करेंगे तो यह एक विश्व युद्ध होगा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन (बाएं) बेल्जियम के ब्रुसेल्स में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

घरेलू मुश्किलों ने जॉनसन की कूटनीतिक यात्रा के दौरान भी उनका पीछा नहीं छोड़ा

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन जब बृहस्पतिवार को बेल्जियम और पोलैंड की अपनी कूटनीटिक यात्रा पर पहुंचे तो भी घरेलू स्तर पर मौजूद मुश्किलों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। इस यात्रा का मकसद रूस पर यूक्रेन के पास उसकी सैन्य तैनाती में कमी लाने का दबाव बनाना है। जॉनसन यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती को लेकर नाटो का संकल्प प्रदर्शित करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन, उन्हें लॉकडाउन

का उल्लंघन करने वाली सरकारी पार्टियों को लेकर पुलिस की जांच से जुड़े सवालों का सामना करना पड़ा। इन पार्टियों ने सत्ता पर उनकी पकड़ को हिलाकर रख दिया है। पूर्व कंजर्वेटिव प्रधानमंत्री जॉन मेजर ने एक बहस के दौरान जॉनसन पर यह कहते हुए निशाना साधा कि सरकार नियमों और सच्चाई की अवहेलना कर लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है और इससे दुनियाभर में ब्रिटेन की साख गिर रही है। लंदन में मेजर ने कहा, 'प्रधानमंत्री और अधिकारियों ने लॉकडाउन से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया। उन्होंने बेशर्मी से बहाने दिए। जनता से हर रोज अविश्वसनीय चीजों पर विश्वास करने के लिए कहा गया।' मेजर ने आरोप लगाया कि जॉनसन और उनकी सरकार में शामिल लोगों का मानना था कि 'उन्हें और अकेले उन्हें ही नियमों का पालन करने की जरूरत नहीं है।' लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रधानमंत्री के 10 डाउनिंग स्ट्रीट कार्यालय और अन्य सरकारी भवनों में उस अवधि में आयोजित एक दर्जन पार्टियों की जांच कर रही है, जब ब्रिटेन कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लागू प्रतिबंधों के अधीन था।

मुंबई और पठानकोट हमले के पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिला : तिरुमूर्ति

जेनेवा (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में भारत ने लंबे समय से सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद का दंश झेला है और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों द्वारा अंजाम दिए गए 2008 के मुंबई आतंकी हमले तथा 2016 के पठानकोट आतंकी हमले के पीड़ितों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। भारत के दूत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में यह कहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने बुधवार को सुरक्षा परिषद में ह्यआतंकवादी कृत्यों के कारण अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतराह्ल विषय पर भारत की इस दृढ़ मान्यता को दोहराया कि दुनिया के एक भी हिस्से में आतंकवाद यदि है, तो वह समूची दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि एक ऐसे देश के रूप में जिसे 2008 के मुंबई आतंकी हमले और 2016 के पठानकोट आतंकी हमले सहित सीमा पार आतंकवाद का खामियाजा भुगतना पड़ा है, भारत आतंकवाद की मानवीय कीमत से अवगत है और इन आतंकी हमलों के साजिशकताओं को न्याय के कटघरे में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा इन दोनों नृशंस हमलों के पीड़ितों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। तिरुमूर्ति ने कहा आतंकी हमलों की निंदा करते हुए हमारी प्रतिक्रिया एकजुट और स्पष्ट होनी चाहिए। हमें इस तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका में हुए 11 सितंबर के हमलों के 20 साल बाद भी ऐसे नेता हैं, जो बिना किसी पछतावे के ओसामा बिन लादेन का, एक शहीद के रूप में बचाव करना जारी रखते हैं। तिरुमूर्ति का इशारा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की ओर था, जिन्होंने मारे गए अलकायदा प्रमुख को शहीद बताया था।
आईएसआईएल-दाएश के खतरों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की 14वीं रिपोर्ट पर तिरुमूर्ति ने उन सभी पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, सीरिया, कांगो और युगांडा में हाल के आतंकवादी हमलों में अपने प्रियजनों को खो दिया। तिरुमूर्ति ने परिषद के समक्ष कहा कि आतंकवाद हर किसी को प्रभावित करता है, चाहे वह किसी भी स्थान या मूल का हो। उन्होंने कहा दुर्भाग्य से, आतंकी कृत्यों के पीछे की मंशा के आधार पर आतंकवाद से निपटने की दोषपूर्ण मानसिकता से बाहर आने में लंबा वक्त लगा। उन्होंने कहा हमने हाल में अपने क्षेत्र में और अब संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में ड्रोन के माध्यम से आतंकवादी हमले देखे हैं, जिनकी सुरक्षा परिषद ने कड़ी निंदा की है। हाल में परिषद के प्रस्ताव 2617 में मानव रहित विमान प्रणालियों द्वारा उत्पन्न इस खतरे पर ध्यान दिलाया गया है। हमें इन खतरों से निपटने के लिए उपयुक्त समाधान विकसित करने और वैश्विक मानकों को विकसित करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है।

पाक-चीन संयुक्त बयान पर भारत के बयान को पाकिस्तान ने किया खारिज

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान ने इस हफ्ते अपने प्रधानमंत्री इमरान खान की चीन यात्रा के अंत में जारी पाक-चीन संयुक्त बयान पर भारत के एतराज को अवांछित करार देते हुए बृहस्पतिवार को इसे खारिज कर दिया। गौरतलब है कि भारत ने संयुक्त बयान में जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरने वाले एक आर्थिक गलियारा के जिक्र को बुधवार को सिरे से खारिज कर दिया था। नयी दिल्ली ने कहा था कि क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा' थे, हैं और सदा रहेंगे।' चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के संदर्भ में नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ने इन परियोजनाओं पर अपनी चिंताओं से निरंतर ही चीन और पाकिस्तान को अवगत कराया है।
उन्होंने कहा, 'हमने हमेशा ही इस तरह के जिक्र को खारिज किया है और हमारा रुख चीन तथा पाकिस्तान को बखूबी पता है। इस मामले में भी हम संयुक्त बयान में जम्मू कश्मीर के जिक्र को खारिज करते हैं।' पाक विदेश कार्यालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ह्यह्यपाकिस्तान ने भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की अवांछित टिप्पणी को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है।' विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया कि सरकार विरोधी तत्वों का समर्थन कर बलूचिस्तान में अशांति पैदा करने की हालिया कोशिशों में भारत की संलिप्तता के पुख्ता सबूत हैं। इसने यह भी कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के न्यायोचित संघर्ष में उनकी हरसंभव मदद करना जारी रखेगा।

अमेरिका ने इंडोनेशिया को लगभग 14 अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री की मंजूरी दी

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने बृहस्पतिवार को इंडोनेशिया को लगभग 14 अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री की मंजूरी दे दी। हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ते वर्चस्व को रोकने के लिए अमेरिका लगातार कदम उठा रहा है और यह भी उसी का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय ने उन्नत लड़ाकू विमानों की 13.9 अरब डॉलर की बिक्री की घोषणा की। वहीं, विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर हैं, जिसका उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच के घटनाक्रमों के बावजूद चीन को प्रशांत क्षेत्र में मुक्त नियंत्रण की अनुमति नहीं देने के अमेरिका के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करना है।
मंत्रालय के अनुसार, इंडोनेशिया को 36 एफ-15 फाइटर जेट, इंजन और संबंधित उपकरणों की बिक्री की मंजूरी दी गई है, जिसमें युद्ध सामग्री और संचार प्रणाली शामिल हैं। दिसंबर के मध्य में ब्लिंकन की जकार्ता की यात्रा के बाद यह समझौता किया गया। ब्लिंकन ने उस समय मानवाधिकारों संबंधी चिंताओं के बावजूद अमेरिका-इंडोनेशिया के करीबी संबंधों की सराहना की थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'यह प्रस्तावित बिक्री एशिया-प्रशांत क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय भागीदार की सुरक्षा में सुधार करके अमेरिका की विदेश नीति के लक्ष्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी।'
मंत्रालयने कहा, 'एक मजबूत एवं प्रभावी आत्मरक्षा क्षमता विकसित करने और इसे बनाए रखने में इंडोनेशिया की सहायता करना अमेरिका के राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण है।' बयान में चीन का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन लगातार अमेरिकी प्रशासन ने दक्षिण चीन सागर और प्रशांत क्षेत्र में अन्य जगहों पर अपने प्रभाव को बढ़ावा देने के चीन के प्रयासों को रोकने के अभियान में दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम लोकतंत्र इंडोनेशिया को शामिल करने की मांग की गई है।

तानाशाह किम जोंग और डोनाल?ड ट्रंप का प?यार चढ़ा परवान, एक-दूसरे को भेजते हैं लेटर

वाशिंगटन। (एजेंसी)

उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण से पहले ही अमेरिका के साथ तनाव बढ़ा हुआ है। बता दें कि, जो बाइडेन के अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यभार संभालने के बाद से उत्तर कोरिया ने कई शक्तिशाली मिसाइल का परिक्षण कर लिया है इससे पहले उत्तर कोरिया ने 2017 में तीन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था, जो अमेरिका के भीतर तक मार करने में सक्षम हैं। दो देशों में भरपूर तनाव के बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा दावा किया है जिसे शादय ही सच माना जा सकता है। ट्रंप का दावा है कि, उनके सत्ता से हटने के बाद भी तानाशाह किम जोंग से बातचीत होती रहती है। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्टर मैगी हैबरमैन ने ट्रंप के हवाले से बताया है कि, ट्रंप और किम जोंग के बीच के संबंधों में स्थिरता बनी हुई है। बता दें कि, रिपोर्टर मैगी हैबरमैन ने ट्रंप पर एक किताब लिखी है जिसका नाम है 'द कॉन्फिडेंस मैन' और इसी किताब में किम और ट्रंप के रिश्तों का खुलासा किया गया है।
साल 2018 में डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया था, वह और किम जोंग के बीच पत्रों का आदान प्रदान होता रहता है और इससे दोनों एक प्यार में आ गए।बता दें कि, डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे के बाद से दुनिभार में चर्चा भी हुई थी। हालांकि ट्रंप और किम की तीन मुलाकात के बावजूद अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति उत्तर कोरिया और तानाशाह नेता किम जोंग को मिसाइल परीक्षण और परमाणु बम छोड़ने के लिए मना नहीं पाए थे। मैगी हैबरमैन ने कहा कि, ट्रंप द्वारा की जा रही इस दावे की पुष्टि नहीं की जा सकती है और यह सच नहीं भी हो सकता है।

एकमात्र विदेशी नेता जिसके साथ उनका अभी भी संपर्क

मैगी हैबरमैन नके मुताबिक, ट्रंप ने दावा किया है कि, वह एकमात्र ऐसे विदेशी नेता है जिनका किम जोंग के साथ अभी भी संपर्क बना हुआ है। वहीं, अमेरिका के विदेश विभाग ने ट्रंप के इस दावे पर अब कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वहीं अमेरिकी राष?ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने भी अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि, द वाशिंगटन पोस्ट के संपादक व खोजी पत्रकार बॉब वुडवर्ड की किताब रेज में भी ट्रंप ने दावा किया है कि, किम जोंग उन ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को अपने फूफा की हत्या का किस्सा बताया था। बता दें कि, साल 2013 में तानाशाद किम जोंग के फूफा जांग सांग थायक उत्तर कोरिया के सबसे ताकतवर नेता थे। ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि, कुछ साल पहले जब किम जोंग उनसे मिले तो दोनों के बीच काफी गर्मजोशी के साथ बात हुई थी। ट्रंप ने किताब के लेखक को यह भी बताया था कि, किम जोंग ने उन्हें हर चीज बताते है। यहां तक की, किम ने यह भी बताया कि, उसने अपने फूफा की हत्या की थी और कदमों में उनका शरीर रखा दिया था फिर छाती पर बैठकर उनका सिर काटा था।

खगोल वैज्ञानिकों ने एक मृत ग्रह को डेड स्टार की सतह पर गिरते देखा

सौर मंडल के अंत से जुड़े रहस्य का होगा पदार्फाश

वॉशिंगटन (एजेंसी)

ब्रह्मांड़ में होती खगोल घटनाएं वैज्ञानिकों के लिए जिज्ञासा का विषय होती है। ताजा घटना में खगोल वैज्ञानिक ने एक मृत ग्रह को डेड स्टार की सतह पर गिरते हुए देखा है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे सौर मंडल के अंत से जुड़े रहस्यों का पदार्फाश हो सकता है। दशकों से वैज्ञानिकों के मन में सवाल उठते रहे हैं कि सौर मंडल का अंत कैसे होगा। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि सभी ग्रह अपनी उम्र को पूरा करने के बाद सूर्य या अपने नजदीक स्थित ज्यादा गुरुत्वाकर्षण वाले तारे में समा जाएंगे। इस घटना को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी ने रिकॉर्ड किया है। इस घटना का जिक्र नासा के रिसर्चर्स ने प्रसिद्ध साइंस मैगजीन नेचर में प्रकाशित एक अध्ययन में किया है। यूके में यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक में पोस्टडॉक्टरल फेलो और इस स्टडी के लीड राइटर टिम कनिंघम ने घटना से जुड़े ब्योरे को सार्वजनिक किया है। उन्होंने कहा कि हमें पहली बार सबूत मिला है कि वाइट ड्वार्फ तारा वर्तमान में पुराने ग्रह प्रणालियों के अवशेषों को जमा कर रहे हैं। इस तरह के सबूत से हमें अपने सौर मंडल सहित हजारों ज्ञात एक्सोप्लैनेटरी सिस्टम के संभावित भाग्य की एक झलक मिल सकती है।
वैज्ञानिकों ने बताया कि मिल्की वे के सभी सितारों में से लगभग 97 फीसदी अपने जीवन के अंतिम क्षण में वाइट ड्वार्फ तारे में बदल जाएंगे। वाइट ड्वार्फ पृथ्वी के जितने छोटे आकार में सूरज के जितना द्रव्यमान (मास) रख सकते हैं। माना जाता है के जिन तारों में इतना द्रव्यमान नहीं होता के वे आगे चलकर अपना इंधन खत्म हो जाने पर न्यूट्रॉन तारा बन सकें, वे सारे वाइट ड्वार्फ बन जाते हैं। सूर्य के द्रव्यमान से 10 गुना बड़े तारे अपने जीवन के अंत में एक हिंसक सुपरनोवा का शिकार होते हैं। ये तारे तब बनते हैं, जब वे अपने हाइड्रोजन को पूर्ण रूप से जला देते हैं। यह हाइड्रोजन की तारे को ईंधन देता है। कुछ ऐसी ही घटना 5 अरब साल बाद हमारे सूर्य के साथ भी होनी तय है। ईंधन खत्म होने के बाद इन तारों से लाल लपटें काफी दूर तर सफर करती हैं। इन तारों का कोर तब भी बहुत गर्म होता है जो बौने तारे के नाम से जाना जाता है।

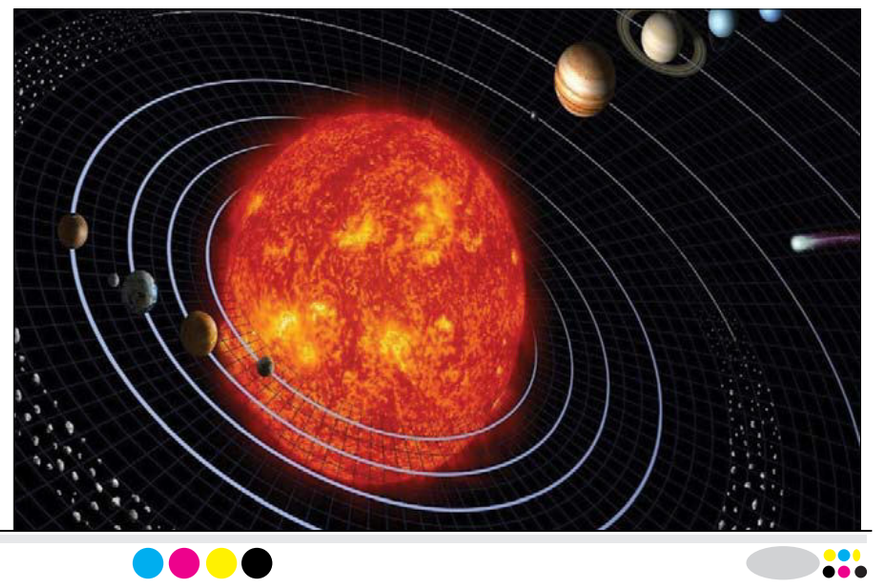

एक नजर

लड़की की पिटाई मामले में तत्काल गिरफ्तारी की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर दिल्ली के पश्चिम विहार में एक लड़की की बेरहमी से पिटाई के मामले में एफआईआर दर्ज करने और अपराधी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। इस मामले में आयोग को शिकायत मिली कि आरोपी नशे का आदि है और उसने लड़की को बंदी बना कर रखा है। आरोपी लड़की को कई बार बेरहमी से सबके सामने पीट चुका है और उसके साथ अत्याचार करता है। निवासियों ने लड़की के जीवन को खतरा बताते हुए आयोग से कहा कि उस लड़की की बेरहमी से पिटाई अब सब निवासियों के लिए एक आम घटना सी बन गई है। आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए और लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। आयोग ने मामले को पूरे ब्योरे के साथ मामले में की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए 48 घंटे का समय दिया है। इस संबंध में आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद बहुत उत्तेजित एवं व्यथित हूं जिसमें उस आदमी को बेरहमी से लड़की को पीटते हुए साफ देखा जा सकता है। पुलिस को मामले में तुरंत ही एफआईआर दर्ज करनी एवं लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाइए।आयोग मामले की जड़ तक पहुंचने की कोशिश करेगा और लड़की की हर संभव मदद करेगा।

नेता विपक्ष 15 दिनों के लिए सदन की कार्रवाई से निष्कासित

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा है कि उन्होंने पूर्वी दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष मनोज त्यागी को 15 दिनों के लिए सदन की कार्रवाई से निष्कासित कर दिया है। अग्रवाल ने कहा कि 8 फरवरी 2022 को निगम की विशेष बजट बैठक के दौरान सदन की कार्रवाई को अवरूद्ध करने, पार्षदों के साथ धक्का–मुक्की करने व महापौर के साथ अमर्यादित व्यवहार करने के चलते नेता विपक्ष के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। महापौर द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में कहा गया है। बैठक के दौरान विपक्ष के नेता मनोज कुमार कुमार त्यागी ने बार–बार चेतावनी देने और दो बार बाहर जाने का आग्रह करने के बावजूद भी अपने साथियों के साथ मिलकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, महापौर के आसन को लात मारकर तोड़ने की कोशिश की। महापौर का कहना है कि विपक्ष के इस आचरण से सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है।

स्थायी समिति अध्यक्ष ने मलेरिया कार्यालय जनता को समर्पित किया

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष बीर सिंह पंवार ने शुक्रवार को सबोली वार्ड में मलेरिया कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान जोन चेयरमैन प्रवेश शर्मा और निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

चुनावी जागरुकता में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें युवा: सीईओ

● राष्ट्रव्यापी मतदाता जागरुकता प्रतियोगिता की हुई शुरुआत

■ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रणबीर सिंह ने सभी नागरिकों को राष्ट्रीय मतदाता जागरुकता प्रतियोगिता-मेरा वोट मेरा भविष्य-एक वोट की शक्ति में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। यह प्रतियोगिता भारत के चुनाव आयोग की ओर से चलो वोटर बने हम अभियान को मजबूत करने के लिए शुरू की गई है। इस मौके पर डॉ रणबीर सिंह ने कहा कि यह प्रतियोगिता मतदाताओं को उनकी रचनात्मक कल्पना के साथ मतदान की प्रक्रिया को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रोत्साहित करने का एक बेहतरीन प्रयास है। इसके साथ ही सीईओ ने जिला चुनाव अधिकारियों (डीएम) को प्रतियोगिता के बारे में संदेश फैलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता दिल्ली की चुनावी भागीदारी को बढ़ावा देगी और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करेगी। उन्होंने नागरिकों के बीच इस देशव्यापी प्रतियोगिता की सूचना प्रसारित करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों को भी प्रोत्साहित किया। विभिन्न स्कूल, कॉलेज और संस्थानों में स्थापित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लबों के माध्यम से भी युवाओं को इस प्रतियोगिता के बारे में जागरूक किया जाएगा। डॉ सिंह ने बताया कि इस विशेष प्रतियोगिता की थीम है मेरा वोट मेरा भविष्य- एक वोट की शक्ति। यह प्रतियोगिता लोगों की कला को उजागर करते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। प्रतियोगिता की 5 श्रेणियां गीत प्रतियोगिता, वीडियो बनाना, पोस्टर डिजाइन, स्लोगन लेखन और क्विज हैं जिसमें सभी नागरिक भाग ले सकते हैं। प्रतियोगी 22 भाषाओं में अपनी एंट्री भेज सकते हैं। एंट्री भेजने की आखिरी दिनांक 15 मार्च 2022 है। सीईओ ने कहा कि विजेताओं को आकर्षक कैशप्राइज और ई-सर्टिफिकेट्स से सम्मानित किया जाएगा। यह देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लागू करने में मदद करेगा। विजेताओं को वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता के लिए 2 लाख रुपए तक, गीत प्रतियोगिता के लिए 1 लाख रुपए, पोस्टर डिजाइन के लिए 50 हजार रुपए, स्लोगन लेखन के लिए 20 हजार रुपये तक दिए जाएंगे। इसी के साथ विशेष श्रेणी के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता को इंस्टीट्यूशनल, प्रोफेशनल और एमेच्योर की 3 अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया गया है। डॉ. सिंह ने बताया कि प्रतिभागी अपनी एंट्री ई-मेल आई डी voter-contest@eci.gov.in पर भेज सकते हैं। प्रतियोगिता के लिए एंट्री भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार किसी भी आधिकारिक भाषा में दी जा सकती है। 22 आधिकारिक भाषाएं हैं जिनमें असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली, और डोगरी शामिल हैं। प्रतियोगिता के विभिन्न दिशा-निर्देश, नियम और शर्तें वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने पंडित दीन दयाल को दी श्रद्धांजलि

■ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने शुक्रवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय की 54वीं पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपाध्याय ने कहा कि दीन दयाल अर्थशास्त्री, पत्रकार, शिक्षाविद्, राजनीतिज्ञ और भारतीय जनता पार्टी के पूर्वाधिकारी भारतीय जनसंघ के चिंतक एव विचारक थे । उन्होंने दीन दयाल के विचारों को याद करते हुए कहा कि पंडित एकात्म मानववाद, के प्रेरणादायी श्रोत थे और उन्होंने न केवल एकता को बढ़ावा दिया बल्कि भारतीय राजनीति को एक नई दिशा और दर्शन दिया। देशभक्ति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति उनका समर्पण देश को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। दीनदयाल ने कहा था कि हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो न केवल कृषि में बल्कि रक्षा और शस्त्रागार में भी आत्मनिर्भर हो। उन्होंने राजनितिक क्षेत्र में सुचिता के साथ काम करने पर जोर दिया था, इसलिए भारतीय जनता पार्टी उनकी पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मानती है।

पंडित दीनदयाल के विचारों को पूरी दुनिया ने अपनाया: पांडा

■ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयन्त जय पांडा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पांडा ने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा से ही शुरू होकर आज इतना सफल हुआ है। 21वीं सदी में हम जिस भी विषय के बारे में चर्चा करते हैं चाहे वह पर्यायवरण हो या फिर सतत विकास हो, इन सब के बारे में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पहले ही मार्गदर्शन कर चुके हैं, और आज पूरी दुनिया उसे अपना रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो सिर्फ चुनाव के वक्त ही लोगों तक नहीं पहुंचती बल्कि हर विपरीत परिस्थिति में उसके मंत्री एवं कार्यकर्ता जनता के बीच मौजूद रहते हैं, और यह सब पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा से ही प्रेरित है। डॉ. अलका गुर्जर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पार्टी को एक विचारधारा दी और पार्टी आज उसी के अनुरूप जन कल्याण की भावना से कार्य कर रही है। इस दौरान भाजपा पूर्वांचल मोर्चा प्रदेश मंत्री एस राहुल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राजनीति में विचारों के लिए सिकुड़ती जगह के बीच पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम एक ज्योतिपुंज की तरह आता है। उनके चिंतन, मनन और अनुशीलन ने देश को एकात्म मानव दर्शन जैसा एक नवीन भारतीय विचार दिया।

दिल्ली के किसानों की बदहाली दूर करने में विफल केजरीवाल सरकार के सभी वायदे हवा-हवाई : रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश किसान मोचा द्वारा दिल्ली में किसानों व दिल्ली देहात के लोगों की समस्याओं को लेकर दिल्ली सरकार के विरोध में मुख्यमंत्री आवास पर किए गए धरना-प्रदशर्न में दक्षिणी दिल्लीसांसद रमेश बिधूड़ी ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले सात वर्षो में दिल्ली की केजरीवाल सरकार दिल्ली के किसान व मजदूरों की समस्याओं के निवारण और ग्रामीण विकास पर विफल रही है, उनके चुनावी वायदे हवा-हवाई साबित हुए हैं। आपने कहा था कि किसान विरोधी धारा 33.81 को केन्द्र से सिफारिश कर समाप्त करेंगे, ग्रामीण विकास बोड का गठन कर हर गॉव में सीवर लाइन बिछ्वायेंगे, ग्रामीण विकास सम्बंधी एक एप जारी करेंगे जिसमें विकास से सम्बंधित जानकारी व सुझाव की व्यवस्था होगी, खेत मिट्टी जांच प्रणाली को 3 से बढ़ाकर 12 करेंगे, आदि 15 ऐसे वायदों में से एक पर भी सरकार द्वारा संज्ञान नहीं लिया गया। दिल्ली के अधिकतर गॉवों में पानी की समस्या, सीवर समस्या, सड़कों की समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है, जमीनी स्तर पर कोई काम पिछले सात सालों में नहीं हुआ है। बिधूड़ी ने आगे बताया कि दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के गांव भरथल, धूलसिरस, बिजवासन और बामनोली गांव के किसानों की खेतीहार जमीन का दिल्ली सरकार द्वारा 20 वष पहले अधिग्रहण कर लिया गया था। सरकार की नीति के अनुसार किसानों को अधिग्रहण की गई जमीन के मुआवजे के साथ-साथ एक वैकल्पिक रिहायशी प्लाट भी देना था। परन्तु पिछले सात वर्षो से दिल्ली में बैठी केजरीवाल सरकार किसानों को वैकल्पिक प्लॉट आवंटन नहीं करा पाई है। किसानों का यह मामला दिल्ली सरकार के भूमि एवं भवन विभाग में लंबित पड़ा है। गॉव के किसानों की इस समस्या का निपटारा अभी तक नहीं हुआ है, गॉव के किसान अपने आपको ठगा महसूस कर रहे हैं और दिल्ली सरकार के कानों में जॅू तक नहीं रेंग रही। दिल्ली के मुखिया दिल्ली देहात के लोगों, किसानों, मजदूरों की समस्याओं को दूर करने की बजाय दूसरे राज्यों में लुभावनी चुनावी घोषणाएं कर वहॉ के लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे

दिल्ली के कई इलाकों में पानी की सप्लाई रहेगी बाधित

■ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में लोगों को अगले तीन दिन तक पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज-टू के अंदर रेलवे ट्रैक के नीचे कालकाजी मेन में मरम्मत कार्य चल रहा है। एनएसआईसी कॉम्प्लेक्स के सामने में भी पाइपलाइन मरम्मत का काम चल रहा है। ऐसे में लोगों को 11 फरवरी से 13 फरवरी तक पानी की समस्या झेलनी पड़ेगी। डीजेबी के मुताबिक कुछ काम के कारण 11 फरवरी को सुबह 9:00 बजे से 13 फरवरी सुबह 9:00 बजे तक जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। इसलिए लोगों को रोजमर्रा के खर्च के लिए पानी स्टोर कर लेना चाहिए ताकि पेयजल की किल्लत न हो। हालांकि, जलकल विभाग ने हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत आने पर टैंकर से पानी मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। उधर, जल बोर्ड के मुताबिक, जिन इलाकों में पानी की सप्लाई नहीं होगी उनमें चर्च, सेक्टर-1 के पास अफ्रीका एवेन्यू मार्ग पर साउथ दिल्ली वाटर मेन में इंटर-कनेक्शन कार्य के कारण लोगों 13 फरवरी को सप्लाई बाधित रहेगी। 13 फरवरी को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक पानी की सप्लाई बाधित रहेगी।

हेमंता सरमा के बयान उनके छिछोरेपन व घटिया सोच का सबूत है: श्रीनिवास बी वी

भारतीय युवा कांग्रेस का असम के मुख्यमंत्री के घिनौने बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा के घिनौने बयान के विरोध में असम भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि हार सामने देख असम के (कांग्रेस के भगोड़े) मुख्यमंत्री ने मानसिक संतुलन खो कर राजनीतिक दिवालियेपन की सब हदें पार कर ली। अब मोदी जी की निष्ठा प्राप्त करने के लिए अपनी पुरानी पार्टी को गाली देना ज़रूरी है। ये हेमंता सरमा के छिछोरेपन व घटिया सोच का सबूत है। चुनाव के डर से भाजपा के नेताओ का असली चेहरा जनता के सामने आ रहा है, पांचों राज्यों में जनता के मुद्दों पर कोई बात नही कर रहे है भाजपा के नेता, क्योंकि डर है की उसका जवाब नही दे पायेंगे, इसलिए मुद्दों को भटकने के लिए निचली स्तर की राजनीति पर उतर आई है भारतीय जनता पार्टी।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी की राजनीति का तरीका और विचारधारा एक दूसरे का सम्मान करना है जो की इस देश की सभ्यता है। भाजपाइयों का इस सभ्यता और शिष्टाचार से दूर-दूर तक कोई लेना देना नही है। उन्होंने यह भी कहा कि दुख की बात यह है कि ऐसे लोग आज छ्रूपद पर बैठकर जहर उगल रहे है और देश के क्रूअपनी चुप्पी से राजनीति के स्तर को निचले स्तर तक लेकर जा रहे है। जनता के हौसलें बुलंद हैं, और कांग्रेस के संग है। पांच राज्यों में चुनावी रैलियों की तस्वीरें स्पष्ट कर रही हैं- की राज्यों में सरकार बदलने जा रही है, और कांग्रेस की सरकार आ रही है, इसलिए भाजपा के नेताओ का दिमाग पागलपन का शिकार हो गया है। राज्यों में मिल रहा जनता का भारी समर्थन इस बात का गवाह है कि भारी बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है, लोगों की उम्मीद और भरोसा सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस से है। भारतीय युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह मांग की हेमंत बिस्वा शर्मा सार्वजनिक रूप से अपने बयान के लिए माफ़ी मांगे और अपने पद की गरिमा और मर्यादा को समझे व उसका सम्मान करे।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता इस प्रदर्शन में सम्मलित हुए, भाजपा के नेताओ के बयानों से एक बात तो स्पष्ट है की जनता मन बना चुकी है कि अब की बार कांग्रेस सरकार।

प्रदर्शन में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव समेत अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोरोना 24 घंटे में 977 मामले, 12 की मौत

दिल्ली में तेजी से गिर रहा है कोरोना का ग्राफ

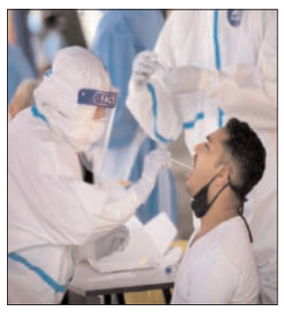

■ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले तेजी से गिर रहे हैं। शुक्रवार को दिल्ली में पहली बार इस साल एक हजार से कम मामले सामने आए। संक्रमण दर भी घटकर 2 फीसद के नीचे चले गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शुक्रवार को कोरोना के 977 नए मामले सामने आए। वहीं 1591 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि 12 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1849596 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1818737 मरीज ठीक हो गए। वहीं 26047 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.41 फीसद है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 4812 हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 3135 मरीज भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 108 मरीज और दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 592 मरीज भर्ती हैं। विभाग के अनुसार कोरोना के कारण 668 मरीजों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। इनमें से 76 कोरोना लक्षण के साथ और 592 मरीजों कोरोना संक्रमित हैं। कोरोना संक्रमित में से 265 मरीज आईसीयू में, 244 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर और 66 मरीज वेंटिलेटर पर भर्ती हैं। विभाग के अनुसार दिल्ली में भर्ती मरीजों में से 412 मरीज दिल्ली के और 180 मरीज दिल्ली के बाहर से हैं। राजधानी में कोरोना की जांच के लिए 56444 टेस्ट हुए जिसमें 1.73 फीसद लोग संक्रमित पाए गए। इन जांच के लिए आरटीपीसीआर से 46664 टेस्ट और रैपिड एंटीजन से 9780 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 35518310 टेस्ट हो चुके हैं। दिल्ली में घटते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या घटकर 19582 रह गए हैं।

छात्रों को स्कूल भेजने के लिए लिटिल फ्लावर्स ने की पेरेंट्स की ऑनलाइन काउंसिलिंग

स्कूल खुलने से ठीक पहले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर वेबिनार का आयोजन

पूर्वी दिल्ली। शिवाजी पार्क स्थित लिटिल फ्लावर्स पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वर्चुअल मंच पर मानसिक स्वास्थ्य ही वास्तविक स्वास्थ्य है विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के जरिये छात्रों को स्कूल भेजने के लिए पेरेंट्स की कार्उसिलिंग भी की गई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ संबित पात्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस विशेष कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ महेश व्यास, डॉ निमेष जी देसाई (इहवास हॉस्पिटल शाहदरा) तथा डॉ राजेश सागर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) ने भाग लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीता दुआ ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्रों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए मानसिक रूप से तैयार होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को स्कूल भेजने संबंधी समस्याओं को लेकर पेरेंट्स की काउंसिलिंग भी की।

इस वर्चुअल कार्यक्रम में लगभग 10,000 छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने भाग लेकर बच्चों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान पाया। मुख्य अतिथियों ने विद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री रोहित दुआ जी की प्रशंसा की ,कि उन्होंने आज के परिपेक्ष्य में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक सराहनीय प्रयास किया है। श्री रोहित दुआ जी ने सभी अतिथियों द्वारा दिए गए अमूल्य समय एवं योगदान के लिए उनका आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि छात्रों की बेहतरी के लिए आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

माइक्रो डोनेशन कार्यक्रम में सबसे ज्यादा सहयोग पर बिधूड़ी सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी को माइक्रो डोनेशन अभियान के लिए सबसे ज्यादा फंड संग्रह करने के लिए आज सम्मानित किया गया। बिधूड़ी सबसे ज्यादा 17900 सदस्यों से डोनेशन प्राप्त की। इन सदस्यों ने 5 रुपए से लेकर एक हजार रुपए तक की माइक्रो डोनेशन ली गई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठक श्री वी. सतीश जी के सान्निध्य में वर्चुअल बैठक में दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने पार्टी कार्यालय में बिधूड़ी को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पार्टी के सैंकड़ों कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

चिंताजनक प्रदूषण

भारत के कई शहरों में वर्ष के अधिकांश समय वायु प्रदूषण का स्तर अधिक रहता है, पर ठंड के मौसम में यह समस्या गंभीर हो जाती है. बीते रविवार को मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद समेत 30 से ज्यादा शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर 'खराब' से 'बेहद खराब' के बीच रहा. इससे जाहिर है कि प्रदूषण की रोकथाम के उपाय कारगर नहीं हो पा रहे हैं. उल्लेखनीय है कि दुनिया के 10 सबसे अधिक प्रदूषित बड़े शहरों में से नौ भारत में हैं.यदि इस सूची को लंबा करते हुए 30 तक किया जाए, तब करीब 20 भारतीय शहर उसमें आ जाते हैं. सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बावजूद कई राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड स्थिति की नियमित निगरानी नहीं कर रहे हैं. अधिक आबादी के देशों की तुलना में हमारे यहां आबादी के अनुपात में वायु गुणवत्ता मापनेवाले यंत्रों की संख्या भी कम है. देश में ऐसे यंत्रों की तादाद 1600 से 4000 के बीच होनी चाहिए, लेकिन सितंबर, 2021 तक केवल 804 निगरानी यंत्र ही उपलब्ध थे.इनमें से केवल 261 यंत्रों की माप ही नियमित रूप से केंद्रीय डाटाबेस में दर्ज की जाती है. अगर ठीक से आकलन हो, तो शायद अधिक चिंताजनक तस्वीर हमारे सामने आयेगी. प्रदूषण के लिए जिम्मेदार तत्वों की जानकारी भी ठीक से नहीं मिल पाती है. नियमों के मुताबिक, नियंत्रण केंद्रों पर सालभर में 104 दिनों की स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए, पर अनेक सर्वेक्षणों में पाया गया है कि कुछ केंद्रों पर 50 से 75 दिनों का डाटा ही दर्ज किया जाता है.देश को ऐसे 1500 केंद्रों की जरूरत है. जिस प्रकार शहरों का विस्तार हो रहा है और नये-नये उपनगर बसाये जा रहे हैं, उससे ग्रामीण इलाके भी शहरी बस्तियों के करीब आने लगे हैं. साथ ही, गांवों में भी विकास की गति तेज हुई है. इस कारण ग्रामीण भारत की आबोहवा पर भी असर हो रहा है. ऐसे में सही स्थिति की जानकारी के लिए उन इलाकों में भी नियमित निगरानी की व्यवस्था की जानी चाहिए.केंद्र और राज्य सरकारों ने वायु प्रदूषण की समस्या की गंभीरता का संज्ञान लिया है, पर इसके समाधान के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है. वर्ष 2019 में जब राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी, तब देश में 102 ऐसे शहर थे, जहां प्रदूषण का स्तर राष्ट्रीय मानकों से नीचे था. अब ऐसे शहरों की संख्या 132 हो चुकी है. हाल में सरकार ने कुछ अन्य प्रयासों की घोषणा की है.जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने की प्रक्रिया में स्वच्छ ऊर्जा पर जोर दिया जा रहा है. निर्माण कार्यों और औद्योगिक गतिविधियों में नयी तकनीकों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है. राज्य सरकारों को अपनी कोशिशों का विस्तार करना चाहिए. प्रदूषण पर अंकुश लगाकर हम स्वास्थ्य सेवा के दबाव को कम करने के साथ कार्य बल की क्षमता और जीवन प्रत्याशा भी बढ़ा सकते हैं।

रोजगार सृजन पर ध्यान जरूरी

देश में बेरोजगारी दर दिसंबर में चार महीने के उच्च स्तर 7.9 फीसद पर पहुंच गयी, जिसमें शहरी बेरोजगारी 9.3 फीसदी है. यह दिखाता है कि कैसे निराशाजनक अर्थव्यवस्था और महामारी ने भारतीयों को बुरी तरह प्रभावित किया है. उत्तर प्रदेश में बीते पांच वर्षों में बेरोजगारी की स्थिति सबसे बदतर हुई है. यूपी में दिसंबर, 2016 से दिसंबर 2021 के बीच श्रमबल तो 149.5 मिलियन से बढ़कर 170.7 मिलियन हो गया, पर कार्यरत लोगों का प्रतिशत इसी अवधि में 38.5 से 32.8 तक गिर गया. नीतिगत निराशा के कई गूढ़ निहितार्थ हैं. डिग्री हासिल करना भी आज नौकरी की गारंटी नहीं है. वर्ष 2019 में 5.5 करोड़ स्नातक डिग्रीधारकों में से 90 लाख बेरोजगार थे. ऐसा लगता है कि हम जनसांख्यिकीय सामर्थ्य को बर्बाद कर रहे हैं. हमारे नीति-निर्माताओं ने भले ही लोकलुभावन कला में महारत हासिल की हो, लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या उन्होंने रोजगार सृजन जैसे बड़े सवाल पर गंभीरता से ध्यान दिया.भारत के जनसांख्यिकीय आधिक्य को रोजगार हासिल हो, इसके लिए 2023 और 2030 के बीच नौ करोड़ गैर-कृषि रोजगार सृजित करने की दरकार है. पर, इसके लिए प्रयास करने की बजाय हमने अल्पकालिक सुधारों का रुख किया. एक दशक पहले नीति-निर्माताओं को उम्मीद थी कि जिस तरह नौकरियां आ रही हैं, उससे भारत दुनिया का 'बैक-ऑफिस' होगा. अब हम उम्मीद कर रहे हैं कि 'गिग इकोनॉमी', जिसे नये युग के स्टार्टअप के जरिये बढ़ावा दिया जा रहा है, वह रोजगार जरूरतों को पूरा करेगा. जुलाई, 2021 तक देश में 53,000 से अधिक मान्यताप्राप्त स्टार्टअप थे, जिन्होंने 5.7 लाख नौकरियां पैदा की. लेकिन, इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में कमी आती गयी. वर्ष 2020 का एक सरकारी सर्वे कहता है कि 31 मार्च, 2017 तक सार्वजनिक उद्यमों में 11.3 लाख कर्मचारी थे, जो 2019 तक घटकर 10.3 लाख रह गये. दरअसल, यह भारत में युवा होने की त्रासदी है. नौकरी पाना आज तल्ख प्रतिकूलताओं से एक खुली मुठभेड़ है. कई लोगों ने नौकरियों की तलाश ही छोड़ दी है. श्रमबल भागीदारी दर (एलपीआर) अगस्त, 2016 के 47.26 फीसद के मुकाबले दिसंबर, 2021 तक 40-42 फीसदी तक गिर गयी. यानी, हमारे कार्यबल के 60 फीसदी हिस्से ने मजबूरी में काम की तलाश ही छोड़ दी है. हम चाहें तो एक ऐसे राज्य के चरित्र को उभार सकते हैं, जो सार्वजनिक संपत्ति के निर्माण को बढ़ावा दे और मानव पूंजी में अपेक्षित निवेश करे. हम जैसे-जैसे कायदे-कानूनों को आसान बनायेंगे और उत्पादन को प्रोत्साहित करेंगे, नौकरियों का भी सृजन होगा. इसके लिए बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं को विस्तार देते हुए राज्य की भूमिका को नये सिरे से गढ़ना होगा. महामारी से पहले यानी 2019 तक 20 लाख स्वास्थ्यकर्मियों की जगह खाली थी, दस लाख शिक्षक और 11.7 लाख आंगनबाड़ी सेविकाओं की रिक्तियां थीं. कुल मिलाकर 25 लाख से अधिक रिक्तियां थीं. वर्तमान में 2.90 लाख से 4.20 लाख तक स्वास्थ्यकर्मियों के जरिये स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो सकता है. इस संभावना को चुनावी मौसम में नये एम्स की घोषणा भर कर देने से नहीं पूरा किया जा सकता. इन क्षेत्रों में संविदाकर्मी और अनियमित कार्यबल को नियमित करना हमारा नैतिक कर्तव्य है. मसलन, दस लाख आशा वर्कर, बारह लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और दस लाख सहायकों को नियमित करना सामयिक और नैतिक दरकार है. महज इन दो क्षेत्रों से 52 लाख नौकरियों का रास्ता निकाला जा सकता है. शहरी क्षेत्र में श्रमशक्ति को कुशल बनाने की जरूरत है. एक राष्ट्रीय शहरी रोजगार गारंटी योजना और सार्वजनिक संपत्ति बनाने पर जोर देने से हमें श्रम कौशल में सुधार, प्रमाणन और आय सहायता प्रदान करने में मदद मिलेगी. इस तरह की योजना दो करोड़ शहरी अनियमित श्रमिकों को 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी दर पर सौ दिनों के लिए काम दे सकती है. इसकी लागत एक लाख करोड़ रुपये सालाना आंकी गयी है. हरित नौकरियों में पारंपरिक रूप से सार्वजनिक सेवाओं (जैसे जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन) को हम शामिल कर सकते हैं. एक आकलन के मुताबिक, एक नगर परिषद 650 हरित नौकरियों, नगरपालिका परिषद 1,875 नौकरियों और एक पूर्ण नगर निगम 9,085 नौकरियों का सृजन कर सकता है. अन्य क्षेत्रों में 150-2500 नौकरियां नवीकरणीय क्षेत्र में उत्पन्न होंगी, जबकि अतिरिक्त 300-2000 नौकरियां अपशिष्ट प्रबंधन में, 80-1700 शहरी खेती में पैदा होंगी. नौबत यह है

कि पिछले साल मध्य प्रदेश के शिवपुरी में 8,000 युवा बेरोजगार जिला अदालत के लिए भर्ती किये जा रहे 20 चपरासी पदों के लिए आवेदक थे. इसी तरह ग्वालियर में कनिष्ठ स्तर की 15 नौकरियों के फॉर्म लेने के लिए 11,000 बेरोजगार उमड़ पड़े. एमबीए से लेकर पीएचडी डिग्रीधारी बेरोजगार चपरासी तक की नौकरी के लिए लालयित हैं, जबकि वे न्यायिक सेवा या दूसरी अधिकारी स्तर की बहाली के लिए तैयारी कर रहे होते हैं. यदि सही नीतियां लागू हों, तो हमारे शहर रोजगार सृजन का गढ़ बन सकते हैं.

इसके लिए हमें युवाओं की जरूरतों को सीधे सुनने के लिए अधिकारियों, सांसदों और विधायकों की बैठक के साथ शहरी बेरोजगारी पर राष्ट्रीय वार्ता की तरफ बढ़ना चाहिए. जनसांख्यिकीय लाभांश भारत के लिए जनसांख्यिकीय आपदा न बन जाये, हमें रोजगार सृजन और श्रम बाजार के लिए युवाओं के कौशल विकास पर ध्यान देना होगा. अब सिर्फ लफ्फाजी से काम नहीं चलेगा।

हमारे लोकतंत्र की दिशा तय करेंगे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव

डॉ. दीपक पाचपोर

इसी हफ्ते से प्रारम्भ होने जा रहे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव इस मोड़ पर पहुंच गये हैं कि वे राष्ट्रीय राजनीति को तो प्रभावित करेंगे ही, 2024 में बनने वाली सरकार का निर्धारण भी करते दिख रहे हैं। जिस तरह के आसार हैं उनके अनुसार तो इन सभी राज्यों में वर्तमान सियासती दौर की सबसे बड़ी राजनैतिक शक्ति अर्थात भारतीय जनता पार्टी की हालत पतली दिख रही है। अगर उसकी पराजय के कयास सच साबित होते हैं तो निश्चित ही इसका असर दो साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव, अगली केन्द्र सरकार और देश के समग्र लोकतंत्र की दशा एवं दिशा पर पड़ेगा। सम्भावित हार से भाजपा को अपनी कार्यपद्धति में परिवर्तन करने हेतु मजबूर होना पड़ेगा। वहीं अगर अनुमानित हार के विरुद्ध उसकी इन राज्यों में जीत होती है तो वह और भी शक्तिशाली होकर अगली सरकार बनाकर अपने बचे एजेंडे को पूरा करेगी। उसके बचे एजेंडे में आरक्षण की समाप्ति से लेकर संविधान में बड़े बदलाव तक के मुद्दे शामिल हैं। यही देश के लिए चिंता का सबसे बड़ा सबब है। संघीय ढांचा होने के कारण कोई राज्य तो क्या एक ग्राम पंचायत का चुनाव भी अपने आप में महत्वपूर्ण होता है। किसी भी स्तर के निर्वाचन की अहमियत को नकारना या उसे छोटा-बड़ा बतलाना विकेन्द्रित लोकतांत्रिक प्रणाली की अवधारणा के विपरीत जाना होगा। विभिन्न प्रयोजनों एवं परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक चुनाव नागरिकों के जीवन एवं देश की राजनैतिक-प्रशासकीय व्यवस्था में निश्चित भूमिकाएं अदा करते हैं। त्रिस्तरीय शासन प्रणाली होने के नाते किसी भी दो स्तरों के चुनावों की तुलना बहुत उचित नहीं होगी। हर तरह का चुनाव पृथक उद्देश्यों से लड़ा जाता है। मुद्दे आंशिक तौर पर ही एक दूसरे को काटते हैं, वरना रेल की पटरियों की तरह समानान्तर चलते हैं। हां, अलग-अलग होने के बावजूद वे ट्रेन की भांति ही नागरिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करते हैं। इधर कुछ समय से सारा कुछ गड्डमड्ड हो रहा है। पंचायत स्तर पर डील किये जाने वाले मुद्दों पर केन्द्रीय राजनीति बोलती है, वहीं राष्ट्रीय मुद्दों पर नगरपालिका के चुनाव लड़े जा रहे हैं- खुले तौर पर तो नहीं पर अप्रत्यक्ष रूप से। पहले जिस स्तर का जो चुनाव होता था उसका विमर्श उसी की परिधि में रहकर किया जाता था। अब हर मुद्दे को इतने विशाल-व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाने लगा है कि जनतंत्र के विकेन्द्रीकरण के सिद्धांत का ही लोप हो रहा है। एक नागरिक के जीवन में हर मुद्दे का अपना स्थान है। राष्ट्रीय मसलों के साथ ही स्थानीय मुद्दों के लिए भी बराबरी की जगह है। एक मुद्दे को दूसरे को खा जाने की इजाजत नहीं है। इससे नागरिक जीवन एवं लोकतंत्र को कभी पूर्णता व समग्रता प्राप्त नहीं हो सकती। यह कुछ ऐसा ही है कि कोई व्यक्ति वैश्विकता का सपना तो देखे लेकिन स्थानीयता को भूल जाये। केन्द्रीय शक्ति हमारे राष्ट्रीय एवं देशव्यापी विषयों से निपटती है तो प्रादेशिक या स्थानीय निकायों की ऊर्जा हमारी स्थानीय आवश्यकताओं पर खर्च होती है। पूरे देश में एकछत्र राज करने की इच्छा ने इस भेद व महत्व को कुचलकर रख दिया है। यही कारण है कि इन 5 राज्यों के चुनावों का आकलन राज्यस्तरीय महत्ता के आधार पर कम और राष्ट्रीय राजनीति, देशव्यापी समीकरण, व्यापक जातीय या साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण, समग्र विकास मॉडल एवं केन्द्रीय शक्ति के बनने-बिगड़ने के परिप्रेक्ष्य में हो रहा है। होना तो यह चाहिए था कि हर राज्य के चुनाव स्थानीय मुद्दों पर फोकस करते, लेकिन यह राजनीति की बदली (या कहें तो बिगड़ी) हुई तस्वीर का परिणाम है कि यहां की राजनैतिक बहसें राष्ट्रीय स्तर पर अधिक हो रही हैं। अब यह भी स्पष्ट हो चला है कि इन राज्यों के सम्भावित परिणाम देश की राजनीति को बड़े पैमाने पर प्रभावित करेंगे। सर्वाधिक जिज्ञासा उप्र को लेकर है जहां हम देखते हैं कि दो तरह का संघर्ष है- पहला है सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी बनाम अन्य। यह बड़ी लड़ाई कई छोटे-बड़े मोर्चों तक फैली है, जैसे कि ठाकुर बनाम अन्य जातियां, अगड़ा-पिछड़ा, महिला विमर्श, अपराध विरुद्ध न्याय आदि। भाजपा द्वारा इसे 80 बनाम 20 (हिन्दू-मुस्लिम) की लड़ाई तक कहा जा चुका है। दूसरा संघर्ष खुद भाजपा के भीतर है। इसमें एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह। दोनों ही योगी की बढ़ती लोकप्रियता व ताकत से वाकिफ हैं। भाजपा की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वरदहस्त योगी पर है। हालांकि वे इसके कभी सदस्य नहीं रहे। मोदी-शाह की मजबूरी ही है कि उन्हें योगी का प्रचार करना पड़ रहा है। उधर योगी की समस्याएं ऐसी और इतनी हैं कि उन्हें अयोध्या से भी जीत की आश्वस्ति नहीं रह गई है। हालात ऐसे हैं कि अब केन्द्रीय नेता राज्य स्तर की बातें कर रहे हैं और प्रादेशिक नेता राष्ट्रीय मुद्दों पर लोगों को ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा द्वारा राज्यों के चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़ने की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों पर लड़ने की कोशिश का परिणाम यही हुआ है कि अब विपक्ष भी केन्द्रीय मुद्दों के राग अलापने लगा है। भाजपा का राज्य नेतृत्व प्रदेश में बेरोजगारी, कोरोना (कु)प्रबंधन आदि से सम्बन्धित स्पष्टीकरण देने की बजाय तमंचा, माफिया, दबंग, फिरौती, जिन्ना आदि की बातें कर रहा है, तो वहीं केन्द्रीय नेतृत्व के स्टार प्रचारक योगी की उपलब्धियां गिना रहे हैं। दिल्ली से आने वाले शीर्ष नेता नोटबंदी, जीएसटी, स्मार्ट सिटी, उज्ज्वला, जन धन, नमामि गंगे जैसी केन्द्रीय योजनाओं की प्रगति का उल्लेख करने से घबरा रहे हैं क्योंकि वहां केन्द्र सरकार असफल रही है। इसी की देखा-देखी विपक्ष भी केन्द्रीय योजनाओं पर हमले करते हुए भाजपा को दिल्ली से ही हटाने का निश्चय व्यक्त कर रहा है। मतदाताओं के मन में यह बैठ गया है कि अपने-अपने राज्यों से भाजपा को हराने का मतलब होगा दिल्ली से भी भाजपा का अपदस्थ करना-खासकर, उप्र एवं पंजाब में तो ऐसा ही माना जा रहा है। यूपी के बारे में तो कहा ही जाता है कि यहीं से दिल्ली का रास्ता खुलता है। उप्र में भाजपा की हार या जीत को केन्द्र में उसकी जय-पराजय से सीधे जोड़ा जा रहा है। ऐसे ही, पंजाब में किसान भाजपा को न केवल अपने राज्य में हराने का निश्चय कर रहे हैं वरन दिल्ली से भी उसे सत्ताच्युत करना चाहते हैं।आज प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों का जो घालमेल दिखलाई दे रहा है तो इसकी बड़ी जिम्मेदार स्वयं भाजपा है जिसने हर मुद्दे को राष्ट्रवाद, देशभक्ति, भारत-पाकिस्तान, भारत-चीन, हिन्दू-मुस्लिम आदि से जोड़ा है। इन चुनावों के नतीजे अपने-अपने राज्यों की सरकारों में चाहे जो बदलाव लाएं, अधिक महत्वपूर्ण तो यह देखना होगा कि ये परिणाम भाजपा की ताकत को बढ़ाएंगे या घटाएंगे? भाजपा की मजबूती या कमजोरी देश और लोकतंत्र का भवितव्य तय करेगी। अगर वह इन राज्यों को जीतकर अधिक ताकत बटोरती है तो स्वाभाविक है कि उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा। चुनाव चाहे पांच ही राज्यों में हो रहे हों परन्तु वह इसे अपनी राष्ट्रीय नीतियों पर जनता की मुहर बतलाएगी। भाजपा का बचा हुआ एजेंडा पूरा होता है अथवा अपूर्ण रह जाता है- इस पर हमारी राजनीति, लोकतंत्र एवं देश का भविष्य निर्भर करेगा।

वर्ष 2022 23 का बजट और आदिवासी

अशोक भारती

आदिवासी समुदायों में शिक्षा की स्थिति काफी चिंताजनक है। 2011 की जनगणना के अनुसार आदिवासियों की कुल 10.45 करोड़ की आबादी में केवल 5.17 करोड़ या 49.47 प्रतिशत आदिवासी साक्षर तथा 5.28 करोड़ लोग निरक्षर थे। सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना के अनुसार 35.65 प्रतिशत आदिवासी परिवार भूमिहीन थे। एक रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग तीन-चौथाई (74.1 प्रतिशत) आदिवासी बेहद गरीब या गरीब हैं। इन परिस्थितियों में बजट देश के सबसे कमजोर आदिवासियों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाकर उन्हें गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और बेरोजगारी दूर करने का जरिया है। केन्द्रीय सरकार के बजट से, जिसे वित्तमंत्री ने अमृतकाल का बजट बताया है, क्या देश के आदिवासियों को विकास का अमृत मिल पाया है, या उनके हिस्से के विकास का अमृत भी किसी श्मोहिनीश् को सौंप दिया गया है? वर्ष 2022-23 में केन्द्रीय सरकार के प्रस्तावित बजट की कुल राशि 3944909 करोड़ रुपये है, जोकि पिछले साल 2021-22 के बजट से 13.25 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2022-23 के बजट में जनजाति समुदायों के लिए कुल 89,265 करोड़ रुपये का प्रावधान है, जोकि बजट का मात्र 2.26 प्रतिशत है, तथा पिछले वर्ष के आनुपातिक आबंटन से 0.04 प्रतिशत कम है। केन्द्रीय सरकार इस बार भी आदिवासी समुदायों को उनकी आबादी के अनुपात में बजट के आबंटन से चूक गई है। संसद में पेश बजट के भारी-भरकम दस्तावेजों से बजट की असलियत को निकाल पाना बड़ी ही टेढ़ी खीर है। आदिवासियों के आबंटन के मामले और भी अधिक पेचीदा हैं। केन्द्रीय सरकार आदिवासियों हेतु बजट को सारणी 10 ख में देती है, जबकि जनजातीय कार्य मंत्रालय का बजट मांग संख्या 100 के अंतर्गत दिखाया जाता है। वर्ष 2022-23 के बजट में जनजातीय कार्य मंत्रालय के बजट का हिस्सा केवल 9.42 प्रतिशत है,जबकि आदिवासियों के विकास का 90.58 प्रतिशत बजट 45 मंत्रालयोंध्विभागों में किया गया है। जनजातीय शिक्षा की मद में कुल 2393 करोड़ रुपये का प्रावधान इस बजट में किया गया है। इसमें मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति के लिए 419 करोड़ हैं, पिछले साल की तुलना में 19 करोड़ रुपये अधिक हैं। सरकार ने मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति की मद में 1965 करोड़ रुपये का आबंटन किया है, जोकि वर्ष 2021-22 के अनुमानों से 28 करोड़ रुपए तथा संशोधित अनुमानों से 692.72 करोड़ रुपये कम है। अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा हेतु राष्ट्रीय छात्रवृत्ति में 5 करोड़ रुपये की कटौती कर 145 करोड़ रुपये का आबंटन किया है। अनुसूचित जनजाति हेतु ओवरसीज छात्रवृति में 2021-22 के संशोधित अनुमानों के मुकाबले 1.00 करोड़ रुपये की कटौती कर 4 करोड़ रुपये का आबंटन किया गया है। ऐसे में जबकि आदिवासियों को शिक्षा के हरेक क्षेत्र में राज्य के प्रोत्साहन की अत्यधिक आवश्यकता है, इस कटौती को किसी भी दृष्टिकोण से न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। सरकार ने वर्ष 2022-23 में आदिवासी क्षेत्रों में एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल के आबंटन को बढ़ा कर 2000 करोड़ रुपये का आबंटन किया है, जिसका खुले दिल से स्वागत किया जाना चाहिए। वर्ष 2021-22 में यह आबंटन 1418.14 करोड़ रुपये का था, जिसमें संशोधित अनुमानों में 360.40 करोड़ रुपये की कटौती की गई थी। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस बार सरकार ऐसा नहीं करेगी। अनुसूचित जनजाति के कल्याण मे लगी हुई स्वयंसेवी संस्थाओं की सहायता में 40 करोड़ रुपये की कटौती की है। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीबीटीजीएस) का विकास के अंतर्गत वर्ष 2022-23 के बजट में 252.00 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो वर्ष 2021-22 के बजट अनुमानों के 250.00 करोड़ रुपये से 2.00 करोड़ अधिक है। लेकिन, बजट के दस्तावेज दिखाते हैं कि सरकार ने 2021-22 के संशोधित अनुमानों में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीबीटीजीएस) के विकास की राशि में 90.00 करोड़ रुपयों की कटौती कर 160.00 करोड़ रुपये कर दिया था। नीचे वर्ष 2022-23 में प्रमुख 10 मंत्रालयों द्वारा किए गए आबंटन की सारणी दी गई है। यह सारणी बताती है कि आदिवासियों के विकास के 84 प्रतिशत से अधिक संसाधन केवल 10 विभागों या मंत्रालयों द्वारा आबंटित किए गए हैं। इन विभागों की योजनाएं सामान्य वर्गों के लिए हैं, जो आदिवाह्मिसयों के लिए सुलभ नहीं हैं। देश के बजट और नीति निर्माताओं को यह समझना चाहिए कि आदिवासी समाज एक स्टेक होल्डर की तरह बदलाव और विकास के प्रणेता बनाना चाहते हैं उपभोगी या लाभार्थी मात्र नहीं। आदिवासी अपने-अपने मूल्यों तथा आधुनिकता के समन्वय के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य-चिकित्सा, रोजगार, बिजली-पानी- संसाधन, पर्यावरण, तकनीकी ज्ञान, सूचना और मूलभूत आवश्यकताओं का विकास करने की इच्छा व सामर्थ्य रखते हैं। जरूरी है एक राजनीतिक स्वच्छंदता और स्वावलम्बन का स्थान। आशा है कि केन्द्रीय सरकार के विभिन्न विभाग अपनी योजनाओं में आदिवासियों के लिए आबंटित धन को उन्हीं के सामाजिक-आर्थिक विकास पर केन्द्रित करेंगे और अमृतकाल के बजट से बजट के अमृत की बूंदें आदिवासियों तक भी अवश्य पहुंचेंगी।

उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा और सपा में ही टक्कर

कौशल किशोर

आज यानी गुरुवार को उत्तर प्रदेश में पहले चरण का विधानसभा चुनाव आयोजित किया जा रहा है। संक्रमण जनित कारणों का चुनाव आयोग ने संज्ञान लेकर चुनाव प्रचार में बहुत कम ढील दी है। ऐसे में आभासी रैली पर आश्रित चुनाव का गणित तकनीक के सहारे मजबूत हो रहा है। आज यानी गुरुवार को उत्तर प्रदेश में पहले चरण का विधानसभा चुनाव आयोजित किया जा रहा है। महामारी के कारण चुनावों पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। संक्रमण जनित कारणों का चुनाव आयोग ने संज्ञान लेकर चुनाव प्रचार में बहुत कम ढील दी है। ऐसे में वास्तविक रैली की जगह आभासी रैली पर आश्रित चुनाव का गुणा-गणित आधुनिक तकनीक के सहारे मजबूत हो रहा है। दिल्ली की सत्ता की राह उत्तर प्रदेश से ही आगे बढ़ती है। कुल 403 विधायकों और 80 लोकसभा सदस्यों की किस्मत तय करने वाला यह प्रदेश चर्चा के केंद्र में है। भाजपा सरकार में मंत्री पद का लाभ लेने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य साथियों समेत समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। हालांकि जिस दलित प्रेम का प्रदर्शन वह जता रहे हैं, उसकी पूर्ति के लिए इसे अवसरों की कमी का रोना माना जाएगा। नामांकन से पहले दल बदलने के लिए आतुर जनप्रतिनिधियों को सुविधाओं और संभावनाओं के अनुकूल अवसर की तलाश रहती है। इसे राजनीतिक दलों में भगदड़ मचने का सही समय माना जाता है। इस कड़ी में मुलायम सिंह यादव के परिवार से अपर्णा यादव व प्रमोद गुप्ता जैसे नेताओं ने समाजवादी पार्टी छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया है। चुनावी वैतरणी पार करने में दलबदल में शामिल नेताओं की भूमिका सुर्खियों में है।इंदिरा गांधी के दौर में कांग्रेस में आयाराम गयाराम का चरित्र उभरा था। -लड़की हूं लड़ सकती हूं- जैसे नारे के साथ आज प्रियंका गांधी मैदान में हैं। हालांकि इसमें भी अनेक विसंगतियां सामने आई हैं। इस नारे की -पोस्टर गर्ल- रही महिला प्रियंका मौर्य ने भाजपा का दामन थाम लिया। इस कड़ी में राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले आरपीएन सिंह भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। इत्र की खुशबू फैलने पर उत्तर प्रदेश की राजनीति में योगी के खिलाफ सक्रिय सभी शक्तियां एकजुट होने लगीं। मोदी विरोधी शक्तियां भी इसमें शामिल हो गईं। इनके समर्थन से समाजवादी पार्टी की जीत का दावा भी किया जा रहा है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए मायावती और अखिलेश यादव का गठबंधन सफलता नहीं अर्जित कर सका। समाजवादी पार्टी समर्थकों ने बसपा उम्मीदवारों के पक्ष में एकमुश्त वोट किया। परंतु समाजवादी पार्टी के सभी प्रत्याशियों को बसपा समर्थकों का बराबर सहयोग नहीं मिलता है। बहुजन समाज के लोग उम्मीवारों को देखकर अपनी पसंद का नेता तय करते हैं। भाजपा की रणनीति में इस स्थिति का बेहतर आकलन दिखता है। दलित और महिलाओं के प्रतिनिधित्व के सवाल पर योगी की रणनीति मायावती और प्रियंका गांधी को चुनौती देती है।आज उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा अनुप्रिया पटेल की अपना दल और संजय निषाद की निषाद पार्टी के साथ चुनाव लड़ रही है। समाजवादी पार्टी नीत गठबंधन में राष्ट्रीय लोक दल शामिल है। इन्हीं दोनों के बीच टक्कर है। हालांकि बसपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी तीसरे नंबर पर जगह बनाने के लिए मैदान में डटे हैं। साथ ही चुनाव के इस मौसम की गरमी बरकरार रखने के लिए असदुद्दीन ओवैसी भी मौजूद हैं। मुस्लिम और दलित नेताओं के हाथ में सत्ता सौंपने का सपना दिखाने के साथ ही ये हिंदुत्व के शंखनाद के विरुद्ध सक्रिय हैं। इन कारणों से योगी के पक्ष में बहुसंख्य समाज एकत्रित होगा।

विकास की तमाम युक्तियों के बावजूद उत्तर प्रदेश और बिहार की राजनीति में जातीय समीकरण अहम भूमिका निभाती है। इस तथ्य को ध्यान में रखकर ही तमाम राजनीतिक दल जातीय समीकरण साधने में लगे हैं। सपा गठबंधन कांग्रेस व बसपा जैसी पार्टियों के बदले स्थानीय स्तर पर सक्रिय जातीय समूह के नेताओं को साथ लेकर जंग जीतने की रणनीति के साथ मैदान में हैं। विजय रथ यात्रा में जुटी भीड़ से इसकी पुष्टि होती है। पर क्या यह जीत सुनिश्चित कर सकेगा? इस मुश्किल सवाल का जवाब प्रतिनिधित्व के विश्लेषण से ही हल होता है। उत्तर प्रदेश के 86 आरक्षित सीट को ध्यान में रखकर मायावती द्वारा जारी प्रत्याशियों की सूची में 300 में से 90 दलित हैं। सूबे के 21 प्रतिशत दलित लोगों को बसपा समर्थक कहा जाता है। पिछले चुनाव में ऐसी 70 सीटों पर जीत दर्ज कर योगी सरकार अस्तित्व में आई थी। इस बार 67 प्रतिशत सीट पर दलितों और महिलाओं के प्रतिनिधित्व के साथ भाजपा मैदान में है। प्रियंका गांधी की कांग्रेस ने 40 प्रतिशत सीट पर महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है तो सपा और रालोद गठबंधन भी दलित हित की पैरवी कर रही है।वंचित समाज के आम लोगों के करीब पहुंचने के मामले में आज उत्तर प्रदेश की सियासत में साझेदारी की ख्वाहिश रखने वाले दलों को भाजपा से ही सीख लेने की जरूरत है। जनता और नेता प्रचार और वास्तविकता का यह भेद समझ कर गांधी और लोहिया का समाजवादी सपना यदि साकार करने का दावा करे तो देशहित में होगा। दरअसल प्रतिनिधित्व के मामले में उदारता के बदले रोमांचक नारों के बूते अखिलेश यादव की टीम आज मैदान में है तो दूसरी ओर सतीश मिश्रा को बागडोर सौंप कर मायावती रणभूमि से बाहर हैं।उत्तर प्रदेश में इस चुनाव का परिवेश बनाने में लगे सभी दलों की दलितों को प्रभावित करने की योजना चर्चा में है। पिछले चुनाव में दलित मतदाताओं ने भाजपा के पक्ष में वोट किया था। इस बार यही लक्ष्य साधने में योगी आदित्यनाथ लगे हैं। बहुजन समाज का समर्थन प्राप्त करने की यह नीति जीत सुनिश्चित करती है। इन सबके बावजूद भी जनादेश पर निर्णायक टिप्पणी से पहले ईवीएम से निकलने वाले फैसले का इंतजार करना चाहिए।

आखिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि कर्नाटक में कुछ छात्राएं कक्षा में हिजाब पहनकर जाने लगीं

यह विडंबना ही है कि जिस सऊदी अरब से हिजाब बुर्का आदि का चलन शुरू हुआ वह तो आधुनिक तौर-तरीके अपना रहा है लेकिन भारत में मुस्लिम समाज का एक हिस्सा खुद को इस पुराने चलन से जोड़े रखने के लिए मचल रहा है।यह देखना दयनीय है कि जब ईरान में महिलाएं बुर्के के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं और अफगानिस्तान में तालिबान बुर्का न पहनने वाली स्त्रियों पर कोड़े बरसा रहे हैं, तब कर्नाटक में कुछ छात्राएं हिजाब पहनकर पढ़ाई करने पर आमादा हैं। राज्य के उडुपी जिले के एक सरकारी कालेज में इस विवाद ने तब तूल पकड़ा, जब इसी दिसंबर की शुरुआत में छह छात्राएं हिजाब पहनकर कक्षा में पहुंच गईं। इसके पहले वे कालेज परिसर में तो हिजाब पहनती थीं, लेकिन कक्षाओं में नहीं। आखिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि वे अध्ययन कक्ष में हिजाब पहनकर जाने लगीं? इस सवाल की तह तक जाने की जरूरत इसलिए है, क्योंकि एक तो यह विवाद देश के दूसरे हिस्सों को भी अपनी चपेट में लेता दिख रहा और दूसरे, इसके पीछे संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले कैंपस फ्रंट आफइंडिया का हाथ दिख रहा है। यह पापुलर फ्रंट आफइंडिया की छात्र शाखा है। माना जाता है कि यह प्रतिबंधित किए जा चुके कुख्यात संगठन सिमी का नया अवतार है।नि. संदेह हर किसी को अपनी पसंद के परिधान पहनने की आजादी है, लेकिन इसकी अपनी कुछ सीमाएं हैं। स्कूल-कालेज में विद्यार्थी मनचाहे कपड़े पहनकर नहीं जा सकते। इसी मनमानी को रोकने के लिए शिक्षा संस्थान ड्रेस कोड लागू करते हैं। इसका एक बड़ा कारण छात्र-छात्रओं में समानता का बोध कराना होता है। दुर्भाग्यपूर्ण केवल यह नहीं कि जब दुनिया भर में लड़कियों-महिलाओं को पर्दे में रखने वाले परिधानों का करीब-करीब परित्याग किया जा चुका है और इसी क्रम में अपने देश में घूंघट का चलन खत्म होने को है, तब कर्नाटक में मुस्लिम छात्राएं हिजाब पहनने की जिद कर रही हैं। यह न केवल कूप-मंडूकता और एक किस्म की धर्मांधता है, बल्कि स्त्री स्वतंत्रता में बाधक उन कुरीतियों से खुद को जकड़े रखने की सनक भी, जिनका मकसद ही महिलाओं को दोयम दर्जे का साबित करना है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

विभिन्न बाल विकास परियोजनाओं के माध्यम से चलाया गया वृहद मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

मतदाताओं को जागरूक करने हेतु मतदाता जागरूकता रैली, शपथ एवं डोर टू डोर कैम्पेन के कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

हमीरपुर- जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ चंद्र भूषण के निर्देश पर जनपद में वृहद स्तर पर नियमित रूप से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। लोकतंत्र के महापर्व में जनपद में आगामी 20 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी मतदाता बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपने मतदान का प्रयोग करें, इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी / अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता टीम के लोगों द्वारा वृहद स्तर पर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदाता गण अपने मत का प्रयोग करें। मतदाताओं को जागरूक करने के क्रम में आज जनपद की

विभिन्न बाल विकास परियोजनाओं के माध्यम से ग्राम बरुआ ,रिहूटा ,रावतपुरा, जमखुरी, पतखुरी, मंगरौठ, बहपुर, कुपरा, जरिया, खेड़ा बरगवां, विरहट ,पुरेनी , बीलपुर ,सरीला नगर ,जरिया बंडवा, करियारी सहित अन्य ग्राम पंचायतों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से मतदाता जागरूकता रैली , शपथ तथा डोर टू डोर कैंपेन के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इन विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आज संपूर्ण जनपद में वृहद स्तर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ । इन कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से लोगों को आगामी विधानसभा चुनाव में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

बाईक दुर्घटना में मां बेटे हुए घायल

संवाददाता

मौदहा,हमीरपुर। राजमार्ग बीती शाम बाईक दुर्घटना में घायल मां बेटे को गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मां की हालत नाजुक होने के चलते उसका प्राथमिक उपचार कर उसे मुख्यालय रेफर कर दिया गया। सुमेरपुर निवासी पिंटू 30 वर्ष पुत्र राम विशाल शुक्रवार की देर शाम अपनी मां मुन्नी देवी 60 वर्ष को बाईक में बैठाकर मौदहा से सुमेरपुर लौट रहा था तभी राजमार्ग में ग्राम मकराव के निकट बने ब्रेकर में संतुलन बिगड़ने से मां बेटे बाईक समेत सड़क पर गिर गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें राहगीरों की मदद से लहूलुहान हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने मुन्नी की हालत गंभीर देख उसका प्राथमिक उपचार कर उसे मुख्यालय रेफर कर दिया।

जल जागरण अभियान पर युवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गोष्ठी,क्विज तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित किया

सहारा सन्देश टाइम्स
उमेश चंद्र सोनी

मेजा प्रयागराज। लाला लक्ष्मी नारायण डिग्री कॉलेज सिरसा, प्रयागराज में नेहरू युवा केंद्र,प्रयागराज द्वारा जल जागरण अभियान पर युवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गोष्ठी,क्विज तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सुश्री जाग्रति पांडेय जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केंद्र,प्रयागराज तथा डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रयागराज एवं कार्यक्रम अधिकारी प्रथम इकाई के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि नेहरू युवा केंद्र की जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह का स्वागत बैज एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम की

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ शिव प्रसाद विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डी पी ओ एषा सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जल संरक्षण के उपाय के लिए हमें सबसे पहले वर्षा के जल का संग्रह करना चाहिए। इसके लिए क्षेत्रों में तालाब और जलाशय बनवाने होंगे, जहाँ वर्षा के पानी का जल संरक्षण किया जा सके । दैनिक कार्यों में पानी का उपयोग कम करना चाहिए। तालाबों को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ शिवप्रसाद विश्वकर्मा ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण पानी का उपयोग भी बढ़ता चला जा रहा है। शुद्ध जल बहुत सीमित मात्रा में है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण वर्षा ऋतु का चक्र भी असमतल हो गया है। हम सभी को जल के महत्व और भविष्य में जल की कमी से संबंधित समस्याओं को समझना चाहिये। डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी जिला नोडल अधिकारी एनएसएस,प्रयागराज ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जल सभी लोगों के भविष्य की सबसे बड़ी जरूरत होगी, जिसका संचयन नहीं किया गया तो खतरनाक होगा। इसी क्रम में विषय अग्रेतर पीढ़ियों के लिए संकट का सूचक बनते भूजल अवनयन के संवर्धन में यूवाओ की भूमिका पर युवाओं ने अपने विचार रख भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया । जल जागरण पर प्रश्नोत्तरी प्रतियगिता भी आयोजित की गई । जिसमें महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया । क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दुर्गेश कुशवाहा, द्वितीय स्थान अखिल मिश्रा तथा तृतीय स्थान कोमल यादव बी एस सी प्रथम वर्ष के छात्रों ने प्राप्त किया तथा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रगति तिवारी बी एड प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय स्थान रूप शंकर पांडेय बी ए तृतीय वर्ष एवं तृतीय स्थान अभिनव पांडेय बी ए तृतीय वर्ष ने अर्जित किया।सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र के साथ ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम में निरायक मंडल के सदस्य थे डॉ महेन्द्र कुमार जायसवाल एसोसिएट प्रोफेसर राजनीत विज्ञान, डॉ एस के द्विवेदी असिस्टेंट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान, डॉ सिद्धार्थ तिवारी असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन विज्ञान। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनोज कुमार तिवारी असिस्टेंट प्रोफेसर भौतिक विज्ञान एवं महेश चंद्र द्विवेदी राज्य प्रशिक्षक नेहरू युवा केंद्र, उत्तर प्रदेश ने किया।

सियार के हमले से सौंच के लिए गई एक महिला सहित दो लोग हुए घायल

संवाददाता

मौदहा(हमीरपुर)- तहसील क्षेत्र के ग्राम पढोरी में सियार के हमले से एक महिला सहित दो लोग हुए गंभीर रूप से घायल जिन्हें परिजनों द्वारा नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जानकारी के अनुसार पढ़ोरी निवासी सीमा पत्नी शिवपूजन 28 वर्ष सुबह शौच क्रिया के लिए खेतों की ओर गई थी तभी वहां बैठे सियार ने उस पर हमला कर दिया और उसके बाद कुछ ही दूरी पर इसी गांव के राम संदीप पुत्र जयकरण 47 भी शौच क्रिया के लिए गया हुआ था उस पर भी हमला कर दिया जिससे दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए शोर सुनकर खेतों की रखवाली कर रहे किसानों ने लाठी डंडे लेकर सियार को दौड़ाया तब कहीं जाकर उनकी जान बची और दोनों को लहूलुहान हालत में नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां दोनों का इलाज जारी है।

108 की एम्बुलेंस में कराया सुरक्षित प्रसव,एम्बुलेंस बनी अस्पताल

संवाददाता

हमीरपुर- 108 के ईएमटी प्रदीप कुमार ने अपनी समझदारी का परिचय देते हुए गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव कराया, जच्चा और बच्चा को देखरेख के लिए मौदहा अस्पताल में भर्ती कराया।हमीरपुर क्षेत्र के गुरदहा की रहने वाली 26 वर्षीय संगीत पत्नी सुरेश गर्भवती थीं। रविवार की रात में प्रसव पीड़ा बढ़ने पर सुरेश ने 108 एम्बुलेंस को फ़ोन किया और अपनी समस्या बताई जिसके बाद मौदहा हॉस्पिटल से 108 की एम्बुलेंस उसके घर के लिए रवाना हुई। जब मरीज को हॉस्पिटल ले जा रहे थे तभी गांव से 10किलोमीटर निकलते ही प्रसव पीड़ा बहुत तेज हो गई तब एंबुलेंस पर तैनात ईएमटी (इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन) प्रदीप कुमार और पायलट संजय कुमार ने रास्ते में ही सुरक्षित प्रसव की प्रक्रिया की तैयारी शुरू की। पायलेट ने एम्बुलेंस को सुरक्षित स्थान पे खड़ा कर दिया।लगभग आधा घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित प्रसव करा पुत्र को जन्म दिलाया गया। एंबुलेस में ही प्राथमिक

उपचार देकर बाद में जच्चा और बच्चा दोनों को मौदहा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फर्रुखाबाद में फिसल गई ज़ुबान, बसपा प्रमुख के लिए ये क्या बोल गए कांग्रेस के स्टार प्रचार नसीमुद्दीन

कानपुर: बसपा छोड़कर कांग्रेस शामिल हुए पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी यूपी विधानसभा चुनाव में बतौर स्टार प्रचारक प्रदेश के जिलों में दौरा और रैली कर रहे हैं। कमालगंज में भोजपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी की जुबान फिसल गई और जुबां पर बसपा प्रमुख बहन मायावती का नाम आ गया। हालांकि उनकी बातों को काटते हुए कांग्रेस प्रत्याशी ने सुधार कर दिया। बाद में नसीमुद्दीन ने भी अपनी गलती में सुधार किया।

हिजाब, घूंघट और भगवा रंग हमारे देश की सभ्यता के प्रतीक

पूर्व मंत्री व कांग्रेस के स्टार प्रचारक नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा हिजाब, घूंघट, सलवार-सूट, बिंदी, भगवा रंग आदि हमारे देश की सभ्यता के प्रतीक हैं। फिर विवाद क्यों हो रहा है। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद के साथ फर्रुखाबाद सदर सीट से पार्टी प्रत्याशी लुईस खुर्शीद के समर्थन में प्रचार के बाद चुनाव कार्यालय में उन्होंने कहा कि महिलाएं क्या कपड़े पहनती हैं, इस पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। इन सबको लेकर विवाद कौन कर रहा है, यह भी किसी से छिपा नहीं है।

चौंकाने वाले आएंगे परिणाम

उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान में जो रुझान आए हैं, उससे कांग्रेस के पक्ष में चौंकाने वाले परिणाम आएंगे। उन्होंने एक सभा में कहा कि हमने कांग्रेस को समर्थन न देकर बड़ी भूल की है। मुस्लिमों से सवाल किया कि जिन पार्टियों का हम समर्थन करते आ रहे हैं, उन्होंने हमें क्या दिया। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि हमें फर्रुखाबाद ने बहुत कुछ दिया। विदेश मंत्री के पद तक पहुंचाने में यहां के लोगों का ही योगदान है। फर्रुखाबाद गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। फिलहाल, लखनऊ जाने के लिए सोचना है।

अर्थशास्त्र विभाग में यूनियन बजट 2022 पर वेबीनार के माध्यम से की गई चर्चा

यूनियन बजट से उच्च शिक्षा में सकारात्मक बदलाव की उम्मीदः प्रो. मनमोहन

संवाददाता

कानपुरः छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंस में वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय ÷यूनियन बजट 2022 का भारत की उच्च शिक्षा पर प्रभाव था। प्रमुख वक्ता के रुप

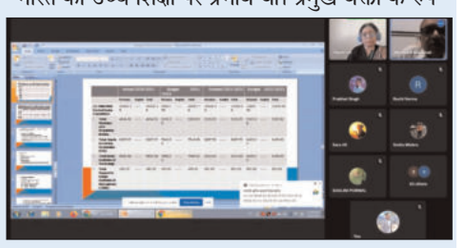

में इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पूर्व आचार्य प्रो. मनमोहन कृष्ण रहे। उन्होंने अपने संबोधन में यूनियन बजट 2022 के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जताई और कहा कि आने वाले वक्त में अर्थव्यवस्था में इस बजट से सकारात्मक बदलाव की संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में आई गिरावट ने डिफेंस, हेल्थ एजुकेशन जैसे कई क्षेत्रों को प्रभावित किया है। बजट में इन क्षेत्रों के विकास के बारे में ध्यान दिया गया है। प्रो. मनमोहन ने मुद्रास्फीति तथा बजट के आय-व्यय पर भी अपने विचार व्यक्त किए।पी.पी.एन डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनूप सिंह ने कहा कि इस बजट में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्टार्टअप पर ज्यादा ध्यान दिया गया है। सूक्ष्म, लघु एवम् मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर भी इस बजट में खासा फोकस है। बजट के माध्यम से हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर होगा।

योगी आदित्यनाथ ने मातृभूमि में भरी चुनावी हुंकार, कहा हिंदू सांप्रदायिक शब्द नहीं, हमारी सांस्कृतिक पहचान

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मातृभूमि उत्तराखंड में चुनावी हुंकार भरी। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हिंदू सांप्रदायिक शब्द नहीं, हमारी सांस्कृतिक पहचान है। हम कहीं बाहर जाते हैं तो हमारी पहचान इसी से होती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा की सरकार इसलिए भी जरूरी है कि अगर यूपी में अपराधियों पर कार्रवाई होती है तो वो भागकर उत्तराखंड की तरफ आएंगे। उन्होंने हंसी भरे लहजे में ये भी कहा कि वैसे तो मैं अपराधियों को छोड़ता नहीं हूं, लेकिन फिर भी अगर वो भागकर उत्तराखंड आते हैं तो सुरक्षा के लिए भाजपा की सरकार जरूरी है। इससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले हर तीसरे दिन में दंगा होता था। 2017 से पहले गंभीर असुरक्षा थी, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। पहले बेटियां असुरक्षित थी, व्यापारी पलायन कर रहे थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। हम अपराधियों को छोड़ते नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया और कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही है।

डाक्टर मनोज वर्मा के भाई भाजपा नेता राजीव वर्मा नें किया कई गांव का दौरा

भाजपा प्रत्याशी सी पी सिंह के लिए मांगे वोट

सहारा सन्देश टाइम्स
संजय शर्मा

स्योहारा - नूरपुर विधानसभा से

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चंद्रप्रकाश सिंह उर्फ सीपी सिंह के लिए समाजसेवी डॉ मनोज कुमार वर्मा के बड़े भाई भाजपा नेता राजीव कुमार वर्मा ने गांव गांव जाकर संपर्क किया और भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगे। राजीव कुमार वर्मा ने नूरपुर विधानसभा के गांव सेह ,मालवा, रहठी ,इनायतपुर आदि गांवो में जाकर जनसंपर्क किया और भाजपा की नीतियों को गिनाया । इस दौरान कृष्ण कुमार ढाका , नरेन्द्र सिंह , नरेश चौधरी ,चंदकान्त त्यागी , संदीप चौधरी आदि मौजूद रहे ।

कंप्यूटर व इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में लगी भीषण आग लाखों का सामान स्वाहा

संवाददाता

औरैया। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कानपुर रोड पर बैंक ऑफ इंडिया के बगल में मार्शल कंप्यूटर एवं मार्शल इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर बीती रात भीषण आग लग गई। घटना की सूचना पर फायर स्टेशन के दमकल कर्मी गाड़ी समेत पहुंचे, और अथक परिश्रम का आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक आग लगने से कई लाख रुपए का सामान जलकर स्वाहा हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर उद्योग व्यापार मंडल मिश्रा गुट व्यापारी नेता पदाधिकारी एवं कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लिया। स्थानीय कानपुर रोड बैंक ऑफ इंडिया के समीप शुक्रवार की रात विद्युत शार्ट सर्किट से मार्शल कंप्यूटर एवं मार्शल इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में भीषण आग लग गई। धुंआ एवं आग की लपटों को देखकर पास पड़ोस के लोगों ने दुकानदार को सूचना दी। जिस पर दुकानदार मौके पर पहुंचा और इस आशय की जानकारी फायर स्टेशन

को दी। जिस पर दमकल विभाग के कर्मचारी गाड़ी समेत मौके पर पहुंचे और अथक परिश्रम कर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दुकानों से तकरीबन 85 लाख से अधिक का माल जलकर स्वाहा हो चुका था। घटना की जानकारी मिलने पर शनिवार की सुबह उद्योग व्यापार मंडल मिश्रा गुट के जिलाध्यक्ष राजेश उर्फ बबलू वाजपेई , नगर अध्यक्ष अमर विश्नोई व सरदार किट्टू एवं कई व्यापारी तथा पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आग लगने का जायजा लिया। इस दौरान दुकान संचालक ने बताया कि रोज की भांति वह दुकान बंद करके अपने घर चला गया, तभी रात करीब ढाई बजे उसकी दुकान में विद्युत शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे उसकी दुकान में रखा सामान जलकर स्वाहा हो गया। आग लगने से उसका कमोबेश 85 लाख रुपए का नुकसान हो गया है।

बसपा प्रत्याशियों के समर्थन में बसपा सुप्रीमों मायावती की जनसभा, विकास और सुशासन के मुद्दे पर मांगा समर्थन

बिधूना । बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को बिधूना क्षेत्र के भदौरा खेल मैदान में कानपुर मंडल के प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने सपा, भाजपा और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें दलित विरोधी मानसिकता वाला करार दिया। उन्होंने सपा को जातिवादी व अराजक तत्वों की पोषक, कांग्रेस को दलित विरोधी मानसिकता वाली व भाजपा को संकीर्ण मानसिकता का शिकार बताया। सरकार बनने पर बेरोजगारों को रोजी रोटी देने एवं कर्मचारियों से पुरानी पेंशन बहाली का भी वादा किया। मायावती ने अपने करीब 30 मिनट के भाषण के दौरान उपस्थित जनसमूह से बसपा के पक्ष में मतदान की अपील करते हुये कहा कि उनकी पार्टी प्रदेश की सभी विधान सभा सीटों पर पूरी मजबूती के साथ विकास और सुशासन के मुद्दे को लेकर चुनाव मैदान में है। पार्टी ने सर्वसमाज के हित को ध्यान में रखते हुये टिकटों का बटंवारा किया है। मतदाताओं की अब जिम्मेदारी है कि वह जातिवादी मानसिकता वाले दलों को दरकिनार कर बसपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार को सत्ता में लाएं, जिससे प्रदेश में विकास की रफ्तार को तेज किया जा सके। समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि जब-जब सपा प्रदेश की सत्ता में आयी है, तब गुंडे, माफियाओं, बदमाश, दंगाईयों और अराजक तत्वों का

ही बोलबाला रहा है। सपा के शासनकाल में विकास के कार्य भी विशेष क्षेत्र, जाति और समुदाय तक सीमित हो जाते हैं, जिसके चलते प्रदेश में ज्यादातर तनाव की स्थिति रहती है। सपा ने बसपा के महापुरुषों के नाम बने जिलों व संस्थाओं के नाम बदल दिए?। अखिलेश यादव के सपा सरकार में एससी-एसटी एक्ट व आरक्षण भी खत्म कर दिया गया और अनुसूचित जातियों व जनजातियों के अधिकारियों का डिमोशन किया गया। सरकारी भूमि के आवंटन में दलितों का कोटा खत्म किया गया। सपा को किसी भी कीमत पर सत्ता में नहीं आने देना है। मायावती ने कहा कि मैंने सोचा था कि सपा द्वारा दलितों के खिलाफ लिए गए निर्णयों को भाजपा बदलेगी, लेकिन भाजपा भी जातिवादी संकीर्ण मानसिकता की शिकार रही। जिसके चलते दलित पिछड़ों को उचित न्याय नहीं मिल सका?। प्रदेश में अपराध बढ़ा, भाजपा शासन में दलित, अल्पसंख्यक व महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा शासन में दलितों और अल्पसंख्यकों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। भाजपा शासन में ब्राह्मण समाज और मुस्लिम उपेक्षित रहा। गरीबी, मंहगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। डीजल पेट्रोल के दाम बेतहाशा बढ़े। उन्होंने भाजपा के जातिवादी संकीर्ण व तानाशाही शासन की मुक्ति के लिए बसपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। मायावती ने कांग्रेस को दलित विरोधी मानसिकता वाली पार्टी बताते हुये कहा कि देश की सत्ता में सबसे अधिक समय तक रहने वाली कांग्रेस ने दलित, वंचित और पिछड़े वर्ग के उत्थान का प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से देश और अधिकतर राज्यों में कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन किया मगर अपने कार्यकाल में उसने दलित और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिये कभी असरदार कदम नहीं उठाये। अपनी गलत नीतियों और कार्यप्रणाली की वजह से आज कांग्रेस केन्द्र और अन्य राज्यों से बाहर हो चुकी है।

यामी गौतम की सस्पेंस ड्रामा

ए थर्सडे का टीजर रिलीज

डिज्नी प्लस हॉटस्टार अपने आगामी होस्टेज ड्रामा ए थर्सडे के साथ एड्रेनालाइन की एक रोमांचक खुराक के साथ अपने दर्शकों को रोमांचित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। शानदार अभिनेत्री यामी गौतम अभिनीत, सस्पेंस ड्रामा आरएसवीपी फिल्म्स द्वारा निर्मित और बेहज़ाद खंबाटा द्वारा निर्देशित है। अप्रत्याशित ट्विस्ट और टर्न से भरपूर ए थर्सडे का टीजर रिलीज हो गया है। टीजजर में एक किंडरगार्टन स्कूल की झलक दिखाई गई है जिसमें बच्चे खुशी के मूड में नज़र आ रहे हैं, वही एक बंदूक की गोली के साथ हम यामी गौतम के चेहरे पर गंभीर लुक देख सकते हैं। यह एक ऐसी थ्रिलर है जो दर्शकों को अपनी स्क्रीन पर बांधे रखेगी। इसके टीज़र में सस्पेंस देखते ही बनता है। यामी के चेहरे पर तनावपूर्ण लुक और एक किंडरगार्टन के खुशनुमा बैकड्रॉप का मिश्रण थ्रिलर के लिए एकदम सही सेटिंग है। हम होस्टेज ड्रामा से जुड़ी अधिक जानकारी जानने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। टीजर के साथ ही ट्रेलर की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। फिल्म का ट्रेलर कल यानी 10 फरवरी को रिलीज किया जाएगा। बेहजाद खंबाटा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को आरएसवीपी फिल्म्स से निर्मित किया है।

रितिक रोशन मेरे बचपन का क्रश हैं: गायत्री भारद्वाज

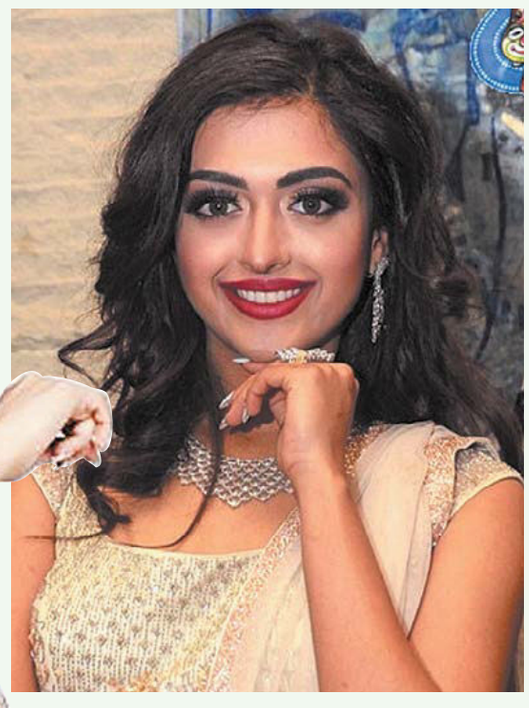

पूर्व मिस इंडिया यूनाइटेड कॉन्टिनेंट्स और ऐक्ट्रेस गायत्री भारद्वाज से जब पूछा गया कि वह किस ऐक्टर को डेट और किससे शादी करना चाहेंगी तो उन्होंने कहा कि वह सिद्धांत चतुर्वेदी को डेट करेंगी, पर रितिक रोशन से शादी करना चाहेंगी। गायत्री एक फिल्म और वेब शो में काम कर चुकी हैं।

-रितिक रोशन से शादी करना चाहती हैं गायत्री भारद्वाज

सुजैन खान से अलग होने के बाद से रितिक रोशन सिंगल हैं और करियर के साथ-साथ बच्चों पर ध्यान दे रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ दिनों से रितिक रोशन को ऐक्ट्रेस सबा आजाद के साथ देखा जा रहा है। दोनों को डिनर और लंच डेट से लेकर हैंगआउट करते हुए भी देखा गया। अब रितिक और सबा के बीच में क्या चल रहा है, यह तो फिलहाल पता नहीं। पर इसी बीच एक अन्य ऐक्ट्रेस और पूर्व मिस इंडिया यूनाइटेड कॉन्टिनेंट्स गायत्री भारद्वाज का दिल आ गया है। गायत्री भारद्वाज ने रितिक रोशन से शादी करने की इच्छा जताई है और कहा है कि रितिक भी घर बसाने के लिए तैयार हैं।

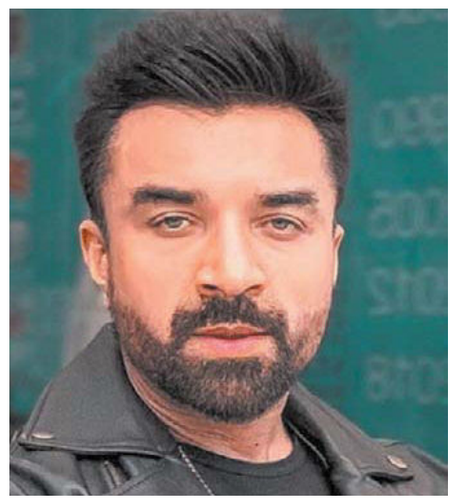

मुझे अफसोस है मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को धोखा दिया: एजाज

एक्टर और बिग बॉस 14 कंटेस्टेंट एजाज खान अक्सर अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। एक्टर इन दिनों अपनी बिग बॉस की को कंटेस्टेंट पवित्रा पुनिया को डेट कर रही हैं। कपलको कई दफा एक साथ देखा गया है, जहां दोनों जबरदस्त बॉन्डिंग शेयर करते नजर आते हैं। इसी बीच हाल ही में एजाज खान ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड को लेकर खुलासा किया। हाल ही में मीडिया के साथ इंटरव्यू में एजाज खान ने बताया कि उन्होंने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड को धोखा दिया था। वह लड़की फिल्म इंडस्ट्री से बिल्कुल भी ताल्लुक नहीं रखती थीं। इस बारे में एजाज खान ने बिग बॉस 14 के घर में भी बताया था और अपनी गलती मानी थी और कहा था उन्हें इस चीज का कोई दुख नहीं है। एजाज खान ने कहा, मैं उन सभी पोर्टलों को बताना चाहता हूं जो मेरा नाम एक अन्य लड़की के साथ जोड़ रहे और कह रहे हैं कि मैंने उसे धोखा देना स्वीकार किया है, यह गलत है। जजबात (टीवी शो) पर एक बार मुझसे पूछा गया, तुम्हारा सबसे बड़ा अफसोस क्या है? उस समय मैंने कहा था कि मुझे अफसोस है कि एक बार मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को धोखा दिया। मैंने किसी का नाम नहीं लिया। अब, मैं यह स्पष्ट कर दूं कि वह लड़की (एक्स गर्लफ्रेंड) इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं है। वह लड़की सार्वजनिक डोमेन का हिस्सा है या नहीं है या कभी नहीं होगी। इसलिए मैंने उसका नाम नहीं लिया। एजाज खान ने आगे कहा, कुछ न्यूज पोर्टल्स अनुमान लगाने लगे। और, मैंने कहा, यह सब क्या बकवास है? मैंने कोई नाम नहीं लिया। इसलिए, मैंने इसे बिग बॉस में क्यों स्वीकार किया, क्योंकि मैं एक ऐसे समय में मूर्खों के स्वर्ग में रह रहा था, जहां मैं अपनी सभी गलतियों को सही ठहरा रहा था।

आर. बाल्की ने बताया कि उनकी अब तक की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म क्यों है पैडमैन

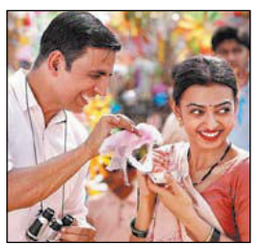

दूरदर्शी अरुणाचलम मुरुगनाथम के जीवन पर आधारित और प्रेरित फिल्म निर्माता आर. बाल्की की फिल्म पैडमैन ने चार साल पूरे कर लिए हैं। बाल्की ने इसे याद करते हुए बताया कि अक्षय कुमार, राधिका आप्टे और सोनम कपूर अभिनीत फिल्म उनके लिए महत्वपूर्ण क्यों थी। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण फिल्म थी और सबसे रचनात्मक दिमागों में से एक मुरुगनाथम के लिए एक श्रद्धांजलि थी, जो मासिक धर्म से संबंधित मुद्दों की वर्जना को तोड़ा था। फिल्म ने उनकी बात को आगे बढ़ाया और इसे एक स्वीकार्य पारिवारिक बातचीत बना दिया। मेरे लिए पैडमैन अब तक की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है। उन्होंने कहा कि फिल्म में, अक्षय कुमार ने अपनी सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभाई है। एक ही टेक में उतार-चढ़ाव वाली भावनाओं के साथ 13 मिनट का एक मोनोलॉग देना, सिनेमा में बहुत कम अभिनेताओं ने ऐसा किया है.

थाई हाई स्लिट बॉडीकॉन ड्रेस में कृति ने फ्लॉन्ट की परफेक्ट बॉडी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेसि सेनन अपनी एक्टिंग से साथ-साथ लुक्स को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। आए दिन उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। हाल ही में कृति ने अपने इंस्टा पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका सुपर स्टनिंग अंदाज देखने को मिल रहा है। लुक की बात करें तो इस दौरान वह व्हाइट कोर्सेट बॉडीकॉन ड्रेस में कहर ढा रही हैं। ऑफ शोल्डर थाई हाई स्लिट ड्रेस में वह अपनी टोन्ड बॉडी फ्लॉन्ट कर रही हैं। इसके साथ मिनिमल मेकअप, रेड लिपस्टिक उनके लुक को परफेक्ट बना रहा है। डायमेंड चोकर नेकलेस, ईयरिंग्स और रिंग्स उनके लुक को चार - चांद लगा रहे हैं। कृति बेहद ही कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। कृति की ये तस्वीरें देख आपकी सांसे थम जाएंगी। कृति की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

नागिन 6 में होगी रुबीना की एंट्री?

एकता कपूर का टीवी शो नागिन 6 इसी हफ्ते लॉन्च होने वाला है। इस टीवी शो में बिग बॉस 15 की विजेता तेजस्वी प्रकाश और महक चहल लीड रोल में नजर आएंगी। एकता कपूर ने जबसे इस शो की अनाउंसमेंट की थी तभी से इसके साथ टीवी की कई हसीनाओं के नाम जुड़ने लगे थे और इनमें से एक नाम रुबीना दिलैक का भी था। रुबीना दिलैक) के फैन्स उन्हें नागिन 6 में देखना चाहते थे लेकिन तेजस्वी-महक का नाम फाइनल होने के बाद हर किसी की उम्मीदों पर तो जैसे पानी ही फिर गया।नागिन 6 के लॉन्च से कुछ घंटे पहले ही कलर्स टीवी के इंस्टाग्राम हैंडल से एक ऐसा कॉमेंट किया गया है जिसे देखकर रुबीना दिलैक के फैन्स अब और भी कन्फ्यूज हो चुके हैं।

-रुबीना दिलैक भी बनेंगी नागिन?

रुबीना दिलैक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में रुबीना दिलैक ने सफेद रंग का क्रोशिया वर्क वाला स्वेटर पहना हुआ है। उनके चेहरे और हाथों पर सफेद रंग के कुमकुम से डिजाइन बना है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा है, स्टीरियोटाइप (रूढ़धारणा) को तोड़ रही हूं। रुबीना दिलैक की इन तस्वीरों पर कलर्स चैनल के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से कॉमेंट किया गया है। कॉमेंट में कलर्स चैनल की ओर से सांप वाले कई इमोजी बनाए गए हैं। इस कॉमेंट को देखकर रुबीना दिलैक के फैन्स अब उल्टा चैनल से ही सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर इस कॉमेंट का क्या मतलब है? बता दें कि रुबीना दिलाइक ने सेम इसी लुक में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया है।

-नागिन 6 में ये होगा तेजस्वी का नाम

तेजस्वी प्रकाश को नागिन 6 का ऑफर बिग बॉस 15 के घर में ही मिल गया था। शो खत्म होने के तुरंत बाद से ही वह नागिन 6 की शूटिंग में जुट गई हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर तेजस्वी प्रकाश ने खुलासा कर दिया है कि शो में उनका नाम प्रथा होगा। मेकर्स नागिन 6 को 12 फरवरी 2022 से ऑन एयर कर देंगे। इस टीवी शो को आप कलर्स चैनल पर शनिवार और रविवार रात 8 बजे देख सकते हैं। साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म वूट पर इसके एपिसोड्स कभी भी देखे जा सकेंगे।

नागिन 6 से सामने आया महक का फर्स्ट लुक

एकता कपूर का पॉपुलर शो नागिन जल्द ही नए सीजन के साथ पर्दे पर लौट रहा है। नागिन 6 का प्रीमियर 12 फरवरी को रात 8 बजे कलर्स टीवी चैनल पर होगा। इस सीरियल में तेजस्वी प्रकाश, सिम्बा नागपाल और महक चहल प्रमुख भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। नागिन 6 से तेजस्वी प्रकाश का फर्स्ट लुक काफी पहले सामने आ चुका है। वहीं अब शो से महक चहल का फर्स्ट लुक भी रिलीज कर दिया गया है। इसके अलावा शो में उनके किरदार का भी खुलासा हो गया है। महक चहल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना लुक रिलीज किया है। शो में वह दूसरी नागिन बनी दिखाई देंगी। अपने इस नागिन लुक की तस्वीर शेयर करते हुए महक ने लिखा, आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। नागिन 6 में अपने लुक और कैरेक्टर का खुलासा करते हुए काफी एक्साइटेड हूं। उन्होंने लिखा, नागिन के रोल ने मुझसे गहराई से बात की।

संगीत के क्षेत्र में खूब नाम कमा रही संत मोहन सिंह कॉलेज की प्रोफेसर मीनाक्षी

संत मोहन सिंह खाल्सा गर्ल्स लबाना कॉलेज बराड़ा की संगीत की प्रोफेसर मीनाक्षी का नाम इन दिनों खूब चर्चाओं मे है क्योंकि उनका इन दिनों 'दिल जानी' नाम से पंजाबी गाना आया है। जिसे दर्शकों द्वारा खूब पंसद किया जा रहा है। जिसमें उन्होंने अपनी आवाज की खूबसूरती बिरखने के साथ-साथ उसमें रोल भी किया है। पत्रकारवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें संगीत का शौक तो बचपन से ही था। स्कूल व कॉलेज के दौरान उन्होंने कई बार अलग-अलग मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां दी। बीए के बाद उन्होंने 12 साल तक शास्त्रीय संगीत की शीक्षा-दीक्षा पं. गणेश प्रसाद शर्मा से ली, जो कि विश्व के महान शास्त्रीय संगीत गायक प जस राज जी के गुरु भाई है। जहां से उनकी संगीत के प्रति नजदीकियां ओर बढ़ती चली गई। वर्ष 2009 में उन्होंने संगीतालोक के कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी। जिसे उपस्थित लोगों द्वारा खूब सराहा गया। अपने नए आए 'दिल जानी' गाने के बारे में उन्होंने बताया कि इस गाने में उन्होंने बतौर गायक व हीरोईन रोल अदा किया है। उनके साथ इस गाने में पंजाब के फेमस गायक व संगीत निर्देशक पतरस चीमा ने गायक व संगीत निदेशक की भूमिका निभाई है। बता दें कि प्रोफेसर मीनाक्षी ने इससे पहले ऑडियो पंजाबी गाना 'यारा' गाया था जिसे यूटयूब पर खूब पंसद किया गया। उन्होंने बताया कि उनके साथ 'दिल जानी' गाने में गायकी की आवाज बिखरने व संगीत देने वाले पतरस चीमा अब तक 'मोहब्बता', एलबम साह सज्जना, चरणा विच सुख माता की भेंटे, आओ प्रभुजी मसीही भजन आदि गा चुके है और वह हरदीप चीमा, जमना रसीला, अमरिन्द्र गिल, जसबीर जस्सी, मास्टर सलीम, अमरिन्द्र गिल, फिरोज खान, खान साहब के साथ बतौर की बोर्ड सिंगर काम कर चुके है। प्रोफेसर मीनाक्षी अपनी संगीत के क्षेत्र में इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार के सदस्यों के साथ-साथ कॉलेज प्रिंसीपल व स्टाफ को भी देती है जिन्होंने उसे समय-समय पर मार्गदर्शन व सहयोग दिया।

ये अल्बम यु . एस. ए., इटली में भी खूब धूम मचा रही है, पतरस चीमा पंजाबी म्युज़िक इंडस्ट्री का एक बहुत बड़ा नाम है, जो बहुत गानो में संगीत भी दे चुके है।

पत्रकार जिग्ना वोरा की भूमिका निभाएंगी करिश्मा तन्ना

पत्रकार जिग्ना वोरा की किताब बिहाइंड द बार्स इन बायकुला- माई डेज इन प्रिजन निर्देशक हंसल मेहता द्वारा अभिनीत एक स्क्रीन रूपांतरण के लिए तैयार है। रीमा लागू की बेटी मृण्मयी लागू द्वारा सह-निर्मित उक्त परियोजना स्कूप नामक एक काल्पनिक श्रृंखला है। सूत्रों के अनुसार, करिश्मा तन्ना श्रृंखला में जिग्ना पर आधारित जागृति पाठक की मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसके बारे में पत्रकार ने एक बार रिपोर्ट की थी, उसके बाद उन पर हत्या का आरोप लगाया जाता है। मुंबई के पवई इलाके में दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने ज्योतिर्मय डे की गोली मारकर हत्या कर दी थी। शूट-आउट के बाद, अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी, क्योंकि वह इस बात से नाराज था कि डे उसके खिलाफ रिपोर्ट कर रही थी। 2018 में निचली अदालत ने वोरा को बरी कर दिया था। महाराष्ट्र की तत्कालीन सरकार ने उस समय बॉम्बे हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती दी थी।

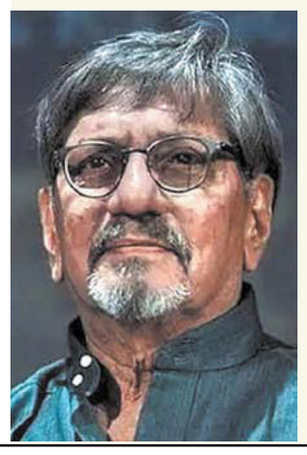

अमोल पालेकर कोविड के कारण पुणे के अस्पताल में भर्ती

1970 के दशक के बॉलीवुड के अनुभवी अभिनेता और निर्देशक अमोल पालेकर को कोविड -19 के कारण दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 77 वर्षीय अभिनेता की हालत स्थिर बताई जा रही है। पालेकर ने मराठी मुख्यधारा की फिल्मों और समानांतर सिनेमा में भी काम किया है और योगदान दिया है, 1971 में फिल्म शांतता कोर्ट चालू आहे। इसके बाद उन्होंने 1974 में बसु भट्टाचार्य की रजनीगंधा से राखी के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। वह गोल माल और नरम गरम जैसी मध्यम वर्गीय पारिवारिक कॉमेडी में अभिनय करने के लिए लोकप्रिय थे, और उन्हें घरौंदा, श्रीमान श्रीमती, रंग बिरंगी और भूमिका जैसी फिल्मों में भी देखा गया था।

सार समाचार

नितिन गडकरी द्वारा जनरल बिपिन रावत को समर्पित कैलेंडर लोकार्पित

नई दिल्ली। केन्द्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज तरूण विजय द्वारा अभिकल्पित तथा विभिन्न सैनिक ग्रामों और सैनिक यूनिटों को भेजे जाने वाला ह्यउत्तराखण्ड के शहीदह्ण कैलेंडर लोकार्पित किया। यह कैलेंडर भारत के पूर्व रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की स्मृति को समर्पित है। इस कैलेंडर में उत्तराखण्ड के विभिन्न काल खण्डों के वीरगति प्राप्त बलिदानी सैनिको के चित्र प्रकाशित किए गए हैं। अपने ढंग का यह पहला कैलेंडर है और श्री नितिन गडकरी ने इसकी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे युवको में देशभक्ति और सेना में भरती होने की भावना जगेगी। उत्तराखण्ड युद्ध स्मारक शौर्य स्थल के अध्यक्ष श्री तरूण विजय ने श्री नितिन गडकरी जी को कैलेंडर भेंट किया। आपको बता दें कि भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया था। वह उत्तराखंड के ही रहने वाले थे।

2023 के विधानसभा चुनाव में जुटी बीजेपी, समर्पण निधि अभियान का हुआ आगाज

भोपाल। मध्य प्रदेश में मिशन 2023 की तैयारी शुरू हो गई है। बीजेपी और कांग्रेस दोनो ही अपने वोटरों को साधने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश बीजेपी का समर्पण निधि अभियान आज से शुरू हो रहा है। इसके तहत बीजेपी ने 150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस अभियान के दौरान पार्टी बूथ स्तर तक पहुंचेंगी और अपनी पकड़ मजबूत करेगी। हाल ही में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में बीजेपी पदाधिकारियों ने आभियान को लेकर मंथन किया था और कार्ययोजना तैयार की थी। आपको बता दें कि 2023 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी ने इस बार 150 करोड़ समर्पण निधि जमा करने का लक्ष्य रखा है। समर्पण निधि कार्यक्रम के लिए पार्टी ने सभी जिले के कार्यकताओं को लक्ष्य दिया है। भोपाल सहित इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर, रतलाम, रीवा में विशेष अभियान चलेगा। बताया जा रहा है कि समर्पण निधि कार्यक्रम के दौरान सभी वर्ग के कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। ताकि 150 करोड़ समर्पण निधि के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा खुद अभियान को देखेंगे। इसे लेकर प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जिंदगी भर काले धन के आधार पर इस देश के अंदर आगे बढ़ती रही। काला धन ही उनका विचार है और उनके खून में भी काला धन है। जैसा प्रधानमंत्री कहते हैं फूट डालो राज्य करो यही उनके चरित्र और जींस में है। उनको लगता है सब लोग भी ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के मंदिर में हूं यहाँ किसी की आलोचना करना उचित नहीं मानता। लेकिन मैं मानता हूं कि वह केवल काले धन के बारे में ही सोच सकते हैं। लेकिन यह जो अभियान है हमारा। कार्यकताओं का अपने विचार, अपने संगठन के प्रति समर्पण है। यह किसी प्रकार का कोई कलेक्शन नहीं है।

मुख्यमंत्री चन्नी के भतीजे की मुश्किलें नहीं हो रही कम, अवैध खनन मामले में 14 दिनों की बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत

चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भतीजे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आपको बता दें कि भूपिंदर सिंह हनी की हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। इससे पहले भी भूपिंदर सिंह हनी की हिरासत बढ़ाई गई थी। कोर्ट में ईडी ने दावा किया था कि भूपिंदर हनी ने पूछताछ में कबूला कि अवैध खनन मामले में अधिकारियों का तबादला करवाकर करोड़ों रुपए की वसूली की है। भूपिंदर सिंह हनी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें 8 फरवरी तक के लिए हिरासत में भेजा गया था। इसके बाद हिरासत को 3 दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया था। ऐसे में शुक्रवार को एक बार फिर से भूपिंदर सिंह हनी की हिरासत बढ़ाई गई। ईडी ने बताया था कि भूपिंदर हनी ने कबूला है कि सीमावर्ती राज्य में अवैध खनन से जुड़ी गतिविधियों और अधिकारियों की नियुक्ति अथवा तबादले में मदद करने के एवज में उसे 10 करोड़ रुपए नकद मिले थे।

3 फरवरी को हुई थी गिरफ्तारी

मुख्यमंत्री चन्नी के भतीजे भूपिंदर हनी की 3 फरवरी को गिरफ्तारी हुई थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 18 जनवरी को भूपिंदर हनी और अन्य के खिलाफ छापेमारी की कार्रवाई की थी। इस दौरान भूपिंदर हनी के ठिकाने से करीब 7.9 करोड़ रुपए, जबकि उससे जुड़े संदीप कुमार नाम के शख्स के परिसर से करीब दो करोड़ रुपए जब्त किए गए थे।

प्रियंका का योगी पर हमला, कहा- गर्मी निकालने की बात करने वाले भर्ती क्यों नहीं निकाल रहे?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अपने चरम पर है। सभी राजनीतिक दलों के नेता उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। इन सबके बीच प्रियंका गांधी रामपुर पहुंची थीं जहां उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जबरदस्त तरीके से हमला किया। योगी आदित्यनाथ पर हमला करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि दूसरों की गर्मी शांत करने का बयान देने वाले योगी आदित्यनाथ रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रहे हैं? इसके साथ ही प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की गलत नीतियों के वजह से व्यापारी और व्यवसाय बर्बाद हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की आर्थिक नीतियों ने आम आदमी पर चोट की, जबकि काला धन रखने वाले वाले अच्छा जीवन जी रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि वे कहा करते हैं कि गरमी निकाल देंगे, चरबी निकाल देंगे। क्या ये मुद्दे लोगों को परेशान कर रहे हैं? मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि जब वे पांच साल से सत्ता में हैं, (नौकरियों के लिए) रिक्तियां क्यों नहीं निकाल रहे हैं और रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रहे हैं? इसके साथ ही कांग्रेस महासचिव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) कह रहे हैं कि कांग्रेस ने महामारी के दौरान यात्रा करने के लिए लोगों को मुफ्त टिकट दिये, वह हम पर संक्रमण फैलाने का आरोप लगा रहे हैं। आपको अवश्य उनकी सोच को समझना चाहिए। लाखों लोग पैदल सैकड़ों किमी यात्रा करने को मजबूर हुए थे और प्रधानमंत्री कहते हैं कि हमने लोगों की मदद कर गलत किया।

सरकार ने राज्यसभा के बताया, 10 रुपए के सिक्के पूरी तरह मान्य हैं, नकली नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)

आजकल कई दुकानदार 10 रुपए का सिक्का लेने से मना कर रहे हैं। इतना ही नहीं कई रिक्शावाले बोल देते हैं कि 10 रुपए का सिक्का नहीं लेने वाले हैं, क्योंकि यह सिक्का नहीं चलता या फिर यह नकली है। दरअसल इसके पीछे वजह है कि बाजार में 10 रुपए के कई तरह के सिक्के मौजूद हैं। इसके बाद लोगों के दिलों में भ्रम है कि यह नकली हैं।इस आशंका को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि 10 रुपए के सिक्के पूरी तरह मान्य हैं और ये नकली नहीं हैं। सरकार की ओर से कहा गया कि 10 रुपए के सिक्कों को सभी प्रकार के लेन-देन के लिए लीगल टेंडर के तौर पर इस्तेमाल हो सकता है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 8 फरवरी को राज्यसभा में कहा कि 10 रुपए के सभी प्रकार के सिक्के लीगल टेंडर हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न आकार, थीम और डिजाइन में भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र के तहत मिंटेड और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सकुर्लेट किए गए 10 रुपए के सिक्के लीगल टेंडर हैं। इन्हें सभी प्रकार के ट्रांजेक्शन में लीगल टेंडर के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। पंकज चौधरी राज्यसभा में ए विजयकुमार के प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

पंकज चौधरी ने कहा कि जब 10 रुपए के सिक्के नहीं लेने की शिकायतें आती हैं,तब इस लेकर आरबीआई भी समय-समय पर लोगों को जागरूक करता रहता है।आरबीआई समय-समय पर जनता से बिना किसी झिझक के अपने सभी लेनदेन में सिक्के को लीगल टेंडर के रूप में स्वीकार करने का आग्रह करता है। इसके अलावा आरबीआई इस बारे में पूरे देश में एसएमएस के जरिए जागरुक कर प्रिंट मीडिया अभियान भी चलाता है। जनता के मन में जागरुकता पैदा करने, भ्रांतियों व भय को दूर करने के लिए, आरबीआई समय-समय पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करता है और जनता से बिना किसी झिझक के अपने सभी लेनदेन में सिक्के को लीगल टेंडर के रूप में स्वीकार करने का आग्रह करता है।

धर्म और जाति की बातों से जनता का पेट नहीं भरेगा

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में पहले चरण के लिए वोटिंग हो चुकी है और अब दूसरे चरण के लिए मतदान होना है। इसको लेकर सभी दल चुनाव प्रचार में जुटे हैं। प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की महाप्रतिज्ञा रैली में कहा कि कल मैंने कल जनसभा में कहा कि कितने नौजवान हैं, सब नौजवान हाथ उठाइए, लगभग पूरी सभा ने हाथ उठाया। फिर मैंने पूछा कि पिछले 5 साल में आपमें से कितनों को रोजगार मिला, सब हाथ नीचे आ गए। प्रियंका ने कहा कि जब मैंने खेत में काम कर रही महिलाओं से बात की, उस समय मुझे 8-10 नौजवान महिलाएं मिली, मैंने पूछा कि पढ़ाई कर रही हो हंसने लगी, कहने लगी कि दीदी हम तो मटर बीन रही हैं। कुछ एकाध ने ही कहा कि स्कूल जाती हैं, मगर खेत में काम भी करना पड़ता है। उसके बाद मैं दुकानदारों से मिली। दुकानदारों से पता चला कि उनके जैसे जितने भी छोटे दुकानदार हैं, जीएसटी और नोटबंदी से बहुत परेशान हैं। कोरोना और लॉकडाउन ने कमर तोड़ दी, कमाई कर नहीं पा रहे थे, बिजली के बिल भर रहे थे। प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दो मित्र एशिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में नंबर 1 और नंबर 2 पर आ चुके हैं। असलियत ये है कि भाजपा सरकार अपने उद्योगपति मित्रों के लिए सबकुछ कर रही है। देश की संपत्तियां मित्रों को सौंपी जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्य समस्या बेरोजगारी है, महंगाई है, महिलाओं की सुरक्षा है, किसानों की बड़ी-बड़ी समस्याएं हैं। महंगाई चरम पर है, मैं जानती हूं कि आप किस तरह से अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम इतने बढ़ चुके हैं कि आप खरीद नहीं पा रहे हैं, 1000 रुपए का गैस सिलेंडर भरने का आपके पास पैसा नहीं है। मुख्य तौर पर ये बड़ी-बड़ी समस्याएं हैं। इन समस्याओं का सामना आप खुद कर रहे हैं, सरकार ने आपको भगवान भरोसे छोड़ दिया है।

भाजपा ने चोरी किया था कांग्रेस का जनादेश, इस बार हमें मिलेगा स्पष्ट बहुमत: राहुल गांधी

पणजी। (एजेंसी)

गोवा में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि गोवा में बेरोजगारी सभी को दिखाई दे रही है और यहां का हर युवा जानता है इसके बारे में। पर्टयन की समस्या भी सभी जानते हैं। पिछले 5 साल भाजपा ने जो राज किया है उसे उन्होंने यहां से चोरी की थी। यह उनकी बहुमत नहीं थी।

उन्होंने कहा कि गोवा ने 5 साल पहले कहा था कि हम कांग्रेस की सरकार चाहते हैं। भाजपा ने पैसा देकर बहुमत को चुराया है और फिर उन्होंने पिछले 5 साल में कुछ नहीं किया। यह यहां का हर एक व्यक्ति जानता है। भाजपा अब यहां पर आकर कहती है कि 2012 से पहले कुछ नहीं हुआ लेकिन सच्चाई गोवा जानती है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास गोवा के लिए एक विजन है। मैं उसके बारे में आपको बता देता हूं। हमने न्याय योजना लागू करने की बात कही है। जिसमें जरूरतमंद परिवारों को 6,000 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। 30 फीसदी महिलाओं को सरकारी नौकरी देंगे। बजट में 5,000 करोड़ रुपए रोजगार पैदा करने के लिए देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि गोवा को हम आईटी हब बनाएंगे। इसके साथ ही हम सत्ता में आने के तुरंत बाद ही स्थायी और कानूनी तरीके से खनन प्रक्रिया पर काम करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम गोवा की सरकार बनाना चाहते हैं। हम गोवा की जनता की आवाज को सुनना चाहते हैं और उसका आदर करना चाहते हैं। यहां जनता ने हमसे कहा कि हम डिफेक्टर नहीं चाहते हैं। ऐसे में हमने एक भी डिफेक्टर को टिकट नहीं दिया। हमने युवाओं को मौका दिया है। क्योंकि हम जानते है कि गोवा की राजनीति को एक नई सोच के साथ बदलना चाहते हैं। गोवा की जनता से बातचीत के बाद घोषणापत्र बनाया गया है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू गोवा को 1947 में कुछ घंटों में आजाद करा सकते थे इस सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काम भटकाने का है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि उन्हें इतिहास के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि गोवा को अपने भविष्य की बात करनी है। नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने यहां पिछले 5 साल में कुछ नहीं किया है। ऐसे में वो भटका रहे हैं।

वैक्सीन के क्षेत्र में भारत सुपर पावर बनने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वैक्सीन विकसित करने और उसके उत्पादन के क्षेत्र में भारत दुनिया का सुपर पावर बनने के करीब है। यह बात इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च आइसीएमआर के महानिदेशक डा. बलराम भार्गव ने कही है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण के योग्य देश की 96 प्रतिशत आबादी को अभी तक वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है, जबकि 75 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को दो खुराक दी जा चुकी हैं। डा. भार्गव ने बताया कि मैसेंजर आरएनए (एमआरएनए) वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल के तीन चरण पूरे हो चुके हैं। यह वैक्सीन कोरोना संक्रमण से बचाव के अतिरिक्त भविष्य में अन्य बीमारियों के इलाज के लिए भी इस्तेमाल हो सकेगी। अगर हमारी संस्थाओं के कार्यो को देखा जाए तो हमें यह कहने में कोई शक नहीं कि हम जल्द ही वैक्सीन के सुपर पावर होंगे। वैक्सीन के जरिये हम अन्य बीमारियों को रोकने में कामयाब होंगे। आइसीएमआर के प्रमुख ने कहा, बहुत बड़ी संख्या में देश के लोगों ने टीकाकरण अभियान में शामिल होने का उत्साह दिखाया, उसी का नतीजा है कि कोविड महामारी के तीसरी लहर को रोक पाने में हम कामयाब रहे। तीसरी लहर में बहुत कम लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ी। ज्यादातर लोग सामान्य दवाओं से घर में रहकर ही ठीक हो गए।

पैसा खाने वाले विधायकों और मंत्रियों को छोड़ेंगे नहीं, उनसे जेल में पिसवाएंगे चक्की: शिरोदा में बोले केजरीवाल

शिरोदा। (एजेंसी)

गोवा में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। इसी बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शिरोदा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 1960 से लेकर आज तक जितनी भी सरकारें आई उन्होंने गोवा को लूटा है। गोवा की पहली भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनाएंगे... अगर कोई विधायक, मंत्री पैसे खाएगा तो उसे छोड़ेंगे नहीं, उससे जेल में चक्की पिसवाएंगे।

भाजपा-कांग्रेस करती है स्कैम

केजरीवाल ने कहा कि पिछले 5 साल में भाजपा ने कचरा, ऑक्सीजन, लेवर, वेंटिलेटर, पॉवर और जॉब स्कैम किया। उन्होंने स्कैम के अलावा कुछ और नहीं किया है। इससे पहले कांग्रेस वाले स्कैम करते थे और अब भाजपा वाले करते हैं। इसको बदलना है या नहीं ? दिल्ली में भी पहले ऐसे ही होता था। पहले दिल्ली में शीला दीक्षित जी की सरकार थी, उस वक्त पूरे देश में लोग जानते थे कि दिल्ली स्कैम की कैपिटल है। उस वक्त कॉमनवेल्थ स्कैम, सीएनजी स्कैम इत्यादि हुए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद वहां की छवि बदल गई। दिल्ली में अच्छी-अच्छी सड़कें, स्कूल, हॉस्पिटल इत्यादि बन रही हैं। 24 घंटे बिजली आती है। अब गोवा को भी बदलना है और यहां पर भी एक ईमानदार सरकार लेकर आनी है।

कहां गया 24,000 करोड़ ?

केजरीवाल ने कहा कि 27 साल कांग्रेस ने और 15-15 साल भाजपा और एमजीपी ने सरकार चलाई। ऐसे में गोवा की आज जो हालात है वो इस तमाम पार्टियों ने मिलकर की है। कहते हैं कि गोवा के ऊपर 24,000 करोड़ रुपए का कर्जा है, यह बहुत ज्यादा होता है। मैं पूछना चाहता हूं कि गोवा सरकार ने 24,000 करोड़ रुपए किस चीज में खर्च किया है। पिछले 25-30 साल में गोवा में कोई भी नया हॉस्टिपल, स्कूल, डिस्पेंसरी, सड़क कुछ भी नहीं बना। जब सरकार ने कुछ काम ही नहीं किया तो पैसा कहां गया ?

भारतबोध के प्रखर प्रवक्ता थे दीनदयाल उपाध्याय, देश की समस्याओं का खोजते थे हल: प्रो. संजय द्विवेदी

नई दिल्ली/धर्मशाला। (एजेंसी)

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने दीनदयाल उपाध्याय को भारतबोध का प्रखर प्रवक्ता बताते हुए कहा है कि वे ऐसे राजनीतिक विचारक थे, जिन्होंने भारत को समझा और उसकी समस्याओं के हल तलाशने के प्रयास किए। उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी का लेखन और जीवन भारतबोध को प्रकट करता है। 'सादा जीवन और उच्च विचार' का मंत्र उनके जीवन में साकार होता नजर आता है। प्रो. द्विवेदी शुक्रवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रम 'दीनदयाल प्रसंग' के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

'दीनदयाल उपाध्याय का भारतबोध' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आईआईएमसी के महानिदेशक ने कहा दीनदयाल जी राजनीतिक लोकतंत्र की सार्थकता के लिए आर्थिक लोकतंत्र के समर्थक थे। उनका मानना था कि जिस तरह 'प्रत्येक व्यक्ति को वोट का अधिकार' राजनीतिक प्रजातंत्र का आधार है, वैसे ही 'प्रत्येक व्यक्ति को काम का अधिकार' आर्थिक प्रजातंत्र का मापदंड है।

प्रो. द्विवेदी के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार से ही प्रेरित है। अंत्योदय की मूल भावना को अगर आपको समझना है, तो आपको भारतीयता और सुशासन को समझना होगा। अंत्योदय का मंतव्य है कि समाज की अंतिम सीढ़ी पर खड़ा व्यक्ति भी सब के साथ आना चाहिये, तभी देश का समान आर्थिक विकास संभव हो पाएगा।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि दीनदयाल जी देश की समस्याओं का देसी अंदाज में हल खोजते थे। उनका मानना था कि विदेशों से ली गई विचार प्रणालियों में हमारे राष्ट्र की सभ्यता एवं संस्कृति प्रकट नहीं हो सकती है। इसलिए राष्ट्रमानस को छूने में वे असफल रही हैं। उनके विचारों में हमेशा राष्ट्रप्रेम और भारतीय जनमानस की समृद्धि की भावना प्रमुख रही है। प्रो. द्विवेदी के अनुसार यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि आज पूरी दुनिया में दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानवदर्शन की स्वीकार्यता बढ़ी है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. जयप्रकाश सिंह ने किया एवं स्वागत भाषण पं. दीनदयाल उपाध्याय पीठ के चेयर प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केंद्र के मानद निदेशक डॉ. मलकीत सिंह ने किया। समारोह में बीएचयू से प्रो. कौशल किशोर मिश्रा, आईआईएमसी के डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. संगीता प्रणवेन्द्र एवं प्रो. अनिल सौमित्र भी उपस्थित थे।

कश्मीर से केरल तक... योगी की अपील पर नेता क्यों मचा रहे राजनीतिक शोर

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज है। इन सबके बीच योगी आदित्यनाथ ने कुछ ऐसा बयान दिया जिसकी वजह से अब विरोधी उन पर हमलावर हो गए हैं। दरअसल, गुरुवार को उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए पहले चरण के वोट डाले गए। पहले चरण के लिए मतदाताओं से वोट डालने की अपील करते हुए योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आगाह भी कर दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर इस बार मतदाता चूक गए तो उत्तर प्रदेश को कश्मीर, बंगाल और केरल बनते देर नहीं लगेगी। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने यह भी बता दिया कि उनकी सरकार ने दंगाइयों और आतंकवादियों पर अंकुश लगाया है।

योगी ने अपने ट्विटर हैंडल के जरिये साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि आज मुझे कोई चिंता है तो केवल एक है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रदेश में जिन-जिन दंगाइयों और आतताइयों पर अंकुश लगा है, वे सब मचल रहे हैं। आतंकी बार-बार धमका रहे हैं कि एक बार सरकार आने दीजिए। आप सावधान रहिए। आप चूके, तो पांच साल की मेहनत पर पानी फिर जाएगा और इस बार उत्तर प्रदेश को कश्मीर, बंगाल और केरल बनते देर नहीं लगेगी। योगी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान आपने किसी घोटाले के आरोप नहीं सुने। मैं एक योगी हूं और मेरे भगवे पर कोई दो पैसे के भ्रष्टाचार का दाग नहीं लगा सकता, लेकिन इस बात के लिए भी मैं आपसे अपना वोट नहीं मांगूंगा। यह मुझे शोभा नहीं देता। मुझे सबसे बड़ा संतोष इस बात का है कि आज हमारा उत्तर प्रदेश गुंडों, बदमाशों, दंगाइयों, उगाही गिरोह, पेशेवर अपराधियों और माफियाओं के आतंक से मुक्त है। उन्होंने कहा कि पलायन कर गए हिंदू अब अपने घरों को लौट चुके हैं। उन्हें धमकाने और प्रताड़ित करने वाले लोग या तो जेलों में बंद हैं या फिर सहम कर कहीं दुबक गए हैं। पुलिस भी अब बिना राजनीतिक हस्तक्षेप के काम करती है।

अब इसी को लेकर राजनीतिक बवाल शुरू हो गया है। केरल के मुख्यमंत्री ने भी योगी आदित्यनाथ पर पलटवार किया है। पी विजयन ने कहा कि अगर उत्तर भारत का राज्य उत्तर प्रदेश केरल की तरह विकास करता तो अधिक शांति और बेहतर जीवन के हालात होते। केरल के मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि अगर यूपी केरल जैसा हो जाता है, जिसका डर योगी आदित्यनाथ को है, तो देश की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधा, समाज कल्याण, उच्च जीवन स्तर और सौहार्दपूर्ण समाज को यूपी में स्थापित किया जा सकेगा जहां जाति और धर्म के नाम पर लोगों की हत्या नहीं होगी। यूपी की जनता यही चाहती है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने भी योगी आदित्यनाथ की उनके एक बयान को लेकर कटु आलोचना की। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया कि आपको भाग्यशाली होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में गरीबी कम है, मानव विकास सूचकांक बेहतर है, अपराध कम है और उत्तर प्रदेश के मुकाबले जीवन स्तर बेहतर है। कमी सिर्फ पिछले तीन-चार साल में सुशासन में आयी है, यह अस्थाई परिघटना है।

पूर्व विकेटकीपर का बयान, सिर्फ एक ही खिलाड़ी है जिसको विश्व कप के लिए तैयार किया जाना है

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त वेस्टइंडीज के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है। पहले वनडे में शिखर धवन कोरोना संक्रमित होने की वजह से नहीं खेल पाए थे जबकि केएल राहुल निजी कारणों से उपलब्ध नहीं थे। इस मैच में इशान किशन को कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने का मौका मिला। हालांकि दूसरे वनडे में राहुल के हाने पर उनको प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली लेकिन पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा का मानना है कि आने वाले विश्व कप के लिए इशान ही एक मात्र ऐसे खिलाड़ी है जिनको ओपनिंग के लिए तैयार किया जा सकता है। ओझा ने कहा, देखिए, इशान किशन ही वो एक मात्र खिलाड़ी हैं जिनको आप सही हिसाब से विश्व कप के लिए तैयार कर सकते हैं।

इसके अलावा तो मुझे नहीं लगता है कि वो लोग ज्यादा कुछ बदलाव करना चाहेंगे। इसकी वजह यह है कि सभी खिलाड़ी जो टीम में हैं वो जवान और नए हैं। ऐसा नहीं है कि उन्होंने 40-50 मुकाबले खेले हुए हैं या तो काफी सारी क्रिकेट खेलकर आए हैं और ब्रेक लेने की जरूरत है। अगर जो ऐसा कुछ नहीं है और वो काफी अच्छा कर रहे हैं तो फिर मेरे हिसाब से आपको इशान किशन जैसे किसी खिलाड़ी को ही मौका देना चाहिए। पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा ने कहा, कप्तान ने कहा है कि शिखर वापसी करेंगे, इसके अलावा मुझे नहीं लगता है कि ज्यादा बदलाव करने की भी जरूरत है क्योंकि टूर्नामेंट ना तो ज्यादा दूर ही है और ना ही ज्यादा पास। इन सभी खिलाड़ियों को एक या दो ही मौके दिए गए हैं तो शायद इन सभी को आगे भी मौके दिए जाएंगे। हो सकता है कि चहल ब्रेक ले।

आप राजनीति के शिकार हैं, इस खिलाड़ी को टेस्ट टीम से बाहर किए जाने पर किरमानी ने लगाया गंभीर आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफक्रिकेट सीरीज के बाद श्रीलंका के खिलाफदो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके लिए भारतीय टीम का एलान किया जाना बाकी है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले ईशांत शर्मा, रिद्धिमान साहा, पुजारा और रहाणे को साफतौर पर कह दिया गया है कि उन्हें इस टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया जाएगा। हालांकि पुजारा और रहाणे को नोटिस पर रखा गया है, लेकिन बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने एक अंग्रेजी साइट से कहा कि साहा और ईशांत शर्मा की उम्र हो चुकी है और हम आगे की तरफदेख रहे हैं। अब साहा और ईशांत ने रणजी में भी नहीं खेलने का फैसला किया है। साहा को कथित तौर पर टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर सैयद किरमानी ने तीखी टिप्पणी करते हुए

कहा कि वो (साहा) राजनीति के शिकार हैं। मिड-डे से बात करते हुए, 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य किरमानी ने कहा कि साहा अभी भी सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर हैं। इसमें कोई शक नहीं, रिद्धिमान साहा अब भी सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर हैं। लेकिन ऋषभ पंत को उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के मौके मिल रहे हैं। 37 साल की उम्र में भी साहा अब भी बेहतरीन विकेटकीपर हैं और उसे परेशान नहीं होना चाहिए। दिनेश कार्तिक और पार्थिव पटेल को भी उसी अंदाज में रिप्लेस किया गया है। किरमानी ने साहा के लिए कहा कि आपने भारत के लिए बहुत अच्छा काम किया और इन वर्षों में कभी नहीं झुके, जो काबिले तारीफ है। आपको हटा दिया गया है क्योंकि आप किसी विशेष समूह से संबंधित नहीं थे, आप राजनीति के शिकार हैं। मैं आपको एक बेहतरीन विकेटकीपर के तौर पर याद रखूंगा। साहा ने साल 2010 में भारत के लिए टेस्ट में डेब्यू किया था। धौनी के टेस्ट से रिटायर होने के बाद वो लगातार चार साल तक टीम इंडिया का हिस्सा बने रहे। रिषभ पंत के उभरने के बाद वो कुछ मैचों तक बाहर बैठे रहे, लेकिन रिषभ पंत के शानदार प्रदर्शन के बाद वो प्लेइंग इलेवन में वो अपना स्थान बनाने के लिए इंतजार करते रहे। साउथ अफ्रीका दौरे पर भी वो बेंच पर ही बैठे नजर आए।

कप्तान रोहित शर्मा की दिलेरी के फैन हुए दिनेश कार्तिक

एजेंसी, नई दिल्ली। टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने रोहित शर्मा की वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में वाशिंगटन सुंदर से 45वां ओवर करवाने के लिए तारीफ की है, जब ओडियन स्मिथ क्रीज पर थे। अहमदाबाद में दूसरे एकदिवसीय मैच के अंतिम छह ओवरों में जीत के लिए वेस्टइंडीज को 48 रनों की जरूरत थी, जबकि दो विकेट शेष थे। अपनी पारी में दो छक्के और एक चौका लगाकर स्मिथ खतरनाक दिखाई दे रहे थे। आफ स्पिनर सुंदर का पिछला स्पैल कुछ खास नहीं रहा था। इसके रोहित ने उनपर विश्वास दिखाया और युवा गेंदबाज उनके विश्वास पर खरा उतरा। उन्होंने इस ओवर में केवल तीन रन दिए और स्मिथ को पवेलियन भेज दिया। मैच के महत्वपूर्ण क्षण में ऐसे साहसी कदम के लिए भारतीय कप्तान की सराहना करते हुए कार्तिक ने क्रिकबज पर चर्चा के दौरान कहा, श्मुझे वास्तव में रोहित के सुंदर को लाने का कदम पसंद आया, जब ओडियन स्मिथ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। वह एक साहसी कदम था। दाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने आफस्पिनर लाना बहुत दिलचस्प था। वह (रोहित) थोड़ा जाल में फंसाने के लिए तैयार हैं। तनावपूर्ण स्थिति में शांत रहने का श्रेय सुंदर को देते हुए कार्तिक ने कहा, सुंदर की खूबी यह है कि वह दबाव को झेलने में सक्षम है। आप जानते हैं कि बल्लेबाज आपकी गेंद पर रन बनाने जाएगा। ऐसे में आपको कुछ कौशल और प्रतिभा की

आवश्यकता होती है। यह कप्तान और गेंदबाज के बीच विश्वास को दिखाता है। 22 वर्षीय सुंदर ने पहले वनडे में 30 रन देकर 3 विकेट लिए और बुधवार के मैच में 28 रन देकर 1 विकेट अपने नाम किया। उन्होंने एक विकेट लेने के अलावा बल्ले से 24 रनों का योगदान भी दिया।

भारत क्रिकेट टीम को मिल गया धोनी-युवराज जैसा फिनिशर

मोहम्मद कैफ ने इस खिलाड़ी पर जताया विश्वास

एजेंसी, पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ को लगता है कि भारत एक ऐसे खिलाड़ी की तलाश में है जो पूर्व क्रिकेटरों युवराज सिंह, महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना की भूमिका निभा सके। इसी मकसद से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में वे दीपक हुड्डा की टेस्टिंग कर रहे हैं। हार्दिक पांड्या के चोटिल होने और फॉर्म से बाहर होने के कारण, भारतीय टीम को संतुलित करने के लिए एक उचित ऑलराउंडर की जरूरत है। चूंकि रवींद्र जडेजा भी चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं, इसलिए प्रबंधन ने पहले वेंकटेश अय्यर और अब दीपक हुड्डा को आजमाया है। दीपक हुड्डा का अभी फॉर्म में आना बाकि हैं। पिछले दो मैच में उनकी बल्लेबाजी को देखते हुए यह नहीं लगा है कि वह धोनी या युवराज की जगह ले सकते हैं इस लिए अभी उन्हें और मौका देना होगा। वहीं भारत को एक अच्छे फिनिशर की तलाश है। फिनिशर की भूमिका के लिए पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ को लगता है कि केएल राहुल इस भूमिका के लिए अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं। मोहम्मद कैफ ने कहा कि राहुल मध्य क्रम में एकदिवसीय क्रिकेट में एक अच्छा विकल्प है। भारत युवराज, धोनी और रैना के जाने के बाद से ही उनके जैसे खिलाड़ी की तलाश है। हार्दिक उस भूमिका को निभाते हैं लेकिन मैच विजेता बनने से पहले उन्हें अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। जडेजा भी अच्छे विकल्प हैं लेकिन पांचवें नंबर पर राहुल एक बेहतरीन विकल्प हैं।

आपके पास शिखर धवन, रोहित शर्मा शीर्ष पर हैं और विराट कोहली, ऋषभ पंत लाइन-अप में हैं ... और राहुल पांचवें स्थान पर एक बढ़िया विकल्प है। हुड्डा वर्तमान में खेल रहे हैं क्योंकि भारत एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की तलाश कर रहा है। लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत को छठे गेंदबाज की जरूरत नहीं है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की के पहले दो मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर ली है। रोहित शरमा ने अजेय बढ़त बनाने के बाद अपने गेंदबाजों के प्रदर्शन की सराहना की और साथ ही सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल के बीच 91 रन की साझेदारी को अहम करार दिया। बतौर पूर्णकालिक कप्तान रोहित की यह पहली श्रृंखला जीत है। दूसरे वन डे मैच की बात करें तो वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फै सला किया। नियमित कप्तान कीरोन पोलार्ड नहीं खेल रहे हैं। उनकी अनुपस्थिति में, पूरन टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। ओडियन स्मिथ ने दर्शकों के लिए एकमात्र बदलाव में पोलार्ड की जगह ली। पूरन ने टॉस पर कहा हम पहले गेंदबाजी करेंगे। कीरोन पोलार्ड पर्याप्त रूप से फिट नहीं है। लक्ष्य खेल की पूरी अवधि के लिए क्रिकेट का एक अच्छा ब्रांड खेलना है। हमारे लिए सिर्फ एक बदलाव ओडियन स्मिथ को लेकर किया गया है।

इन 5 खिलाड़ियों को पाने में पूरा जोर लगा देगी मुंबई इंडियंस

इस खिलाड़ी पर हो सकती है पैसों की बारिश

एजेंसी, आने वाले कुछ दिनों में आईपीएल- 2022 के लिए नीलामी की प्रक्रिया शुरू होगी। आईपीएल की 5 बार चैंपियन बन चुकी मुंबई इंडियंस एक बार फिर से इस खिताब को अपने नाम करने के लिए कई खिलाड़ियों पर दांव लगा सकती है। मुंबई इंडियंस ने इस बार कप्तान रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और किरोन पोलार्ड को रिटेन किया है। लेकिन टीम में स्थिरता के लिए मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके कुछ खिलाड़ियों पर फिर से बड़ा दांव लगाया जा सकता है। मुंबई इंडियंस की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसका टीम कॉन्बिनेशन माना जाता है। एक बार फिर से मुंबई अपने टीम कॉन्बिनेशन को श्रेष्ठ करने की कोशिश में रहेगी। चलिए आपको उन खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं जिन पर मुंबई इंडियन से एक बार फिर से इस पर दांव लगा सकती है। ट्रेंट बोल्ट- दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में ट्रेंट बोल्ट की गिनती होती है। ट्रेंट बोल्ट स्वींग के बेहतरीन गेंदबाज माने जाते हैं और बल्लेबाजों को परेशान भी कर सकते हैं। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपए हैं। 62 आईपीएल मुकाबलों में उन्होंने 76 विकेट चटकाए है। आईपीएल में जसप्रीत बुमराह के साथ उनकी जोड़ी बेहतरीन मानी जाती है।

ईशान किशन- भारत का युवा बल्लेबाज फ्लिहाल काफी सुर्खियों में है। मुंबई फिर से ईशान किशन को अपने पाले में करने की कोशिश करेगी। दो करोड़ आधार मूल्य वाले ईशान किशन शानदार विकेटकीपर के साथ-साथ आक्रामक बल्लेबाज भी हैं जो ओपनिंग कर सकते हैं। 61 आईपीएल मुकाबलों में ईशान किशन ने 136.33 के स्ट्राइक रेट से 1452 रन बनाए हैं जिसमें 9 अर्धशतक भी शामिल हैं।

राहुल चाहर- भारत के इस युवा स्पिन गेंदबाज पर मुंबई इंडियंस काफी भरोसा करती है। 2019 में 16 मुकाबलों में से 13 मुकाबले राहुल चाहर ने खेले थे। 2020 के सीजन में भी उन्होंने 11 मैचों में 15 विकेट चटकाए। कप्तान रोहित शर्मा राहुल को पावर प्ले में खूब इस्तेमाल करते हैं और वह मुश्किल से मुश्किल काम भी कर सकते हैं।

आर अश्विन- भारत के इस अनुभवी स्पिनर को मुंबई इंडियंस अपने साथ लाना चाहेगी। आर अश्विन आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी खेल चुके हैं। 167 मुकाबलों में 145 विकेट इनके नाम है। इनके पास आईपीएल का अच्छा खासा अनुभव है।

राज अंगद बावा- अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के ऑलराउंडर राज अंगद बावा एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। इस युवा खिलाड़ी ने सभी को प्रभावित किया है। विश्व कप में इन्होंने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से सभी को आकर्षित किया। आईपीएल में इनका आधार मूल्य 20 लाख रुपये हैं।

तीसरे वनडे में धवन की होगी वापसी

एजेंसी, अहमदाबाद। शिखर धवन की वापसी को बल्लेबाजी को और मजबूती मिली है। पहले दो मैचों में भारत ने आसान जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज धवन समेत चार खिलाड़ी वनडे श्रृंखला शुरू होने से पहले कोरोना पॉजिटिव पाये गए थे। अब धवन के लौटने के बाद विजयी टीम संयोजन में बदलाव किया जा सकता है। उनकी गैर मौजूदगी में पहले मैच में ईशान किशन ने और दूसरे में ऋषभ पंत ने पारी का आगाज किया। दूसरे मैच में 44 रन से मिली जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि धवन आखिरी मैच खेलेंगे।उन्होंने कहा था ,'' शिखर अगला मैच खेलेगा। बात हमेशा नतीजे की नहीं होती। उसे मैदान पर समय बिताने की जरूरत है।'' इसके मायने है कि उपकप्तान केएल राहुल फिर मध्यक्रम में विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी करेंगे। दूसरे मैच में नौ विकेट पर 237 रन ही बना सकी भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने पर बड़ा स्कोर बनाना होगा। रोहित पिछले मैच में नहीं चल सके लेकिन वह और धवन लय में होने पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं। पंत और सूर्यकुमार यादव मध्यक्रम में उतरेंगे। सूर्यकुमार ने पिछले मैच में 64 रन बनाकर अपनी जगह सुरक्षित रखी है। धवन के लिये हरफनमौला दीपक हुड्डा को जगह बनानी होगी। यह देखना होगा कि चयन के लिये उपलब्ध श्रेयस अय्यर अंतिम एकादश में होते हैं या नहीं। भारतीय गेंदबाजों ने पहले दोनों मैचों में शानदार प्रदर्शन करके वेस्टइंडीज को 176 और 193 रन पर रोक दिया। अब श्रृंखला जीतने के बाद टीम प्रबंधन कुछ बदलाव करके नये खिलाड़ियों को मौका दे सकता है। बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव चोट से उबरने के बाद वापसी को बेताब हैं। उन्हें या लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को उतारा जा सकता है। ऐसा होने पर युजवेंद्र चहल या वाशिंगटन सुंदर बाहर हो सकते हैं। इंदौर के तेज गेंदबाज आवेश खान भी मौका मिलने के इंतजार में है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने चार विकेट लिये और शार्दुल ठाकुर ने भी अच्छी गेंदबाजी की लिहाजा उन्हें बाहर करने की उम्मीद कम है। आवेश के खेलने पर मोहम्मद सिराज को बाहर रहना होगा। दूसरी ओर वेस्टइंडीज प्रतिष्ठा बचाने के लिये खेलेगी। पिछले 17 मैचों में वह 11वीं बार पूरे 50 ओवर नहीं खेल सकी। कप्तान कीरोन पोलार्ड और हरफनमौला जैसन होल्डर को जिम्मेदारी से खेलना होगा। शाई होप, ब्रेंडन किंग और निकोलस पूरन से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। तेज गेंदबाजों ने दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन स्पिनरों की भूमिका अहम रहेगी।

टीमें - भारत रूरोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), मयंक अग्रवाल, रुतुराज गायकवाड़, शिखर धवन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, ऋषभ पतं (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान।

वेस्टइंडीज - कीरोन पोलार्ड (कप्तान), फैबियन एलेन, एनक्रुमाह बोनर, डेरेन ब्रावो, शामार ब्रुक्स, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसफ, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, केमार रोच, रोमारियो शेपर्ड, ओडियन स्मिथ, हेडन वाल्श जूनियर।